

وَمَا لِكُمْ لَّا تَعْبُدُونَ الَّذِي فَطَرَكُمْ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿۱۲۱﴾

और मुझे क्या हुआ के मैं ईबादत न करूं उस अल्लाह की जिस ने मुझे पैदा किया और उसी की तरफ़ तुम लौटाओ जाओगे।

ءَاتَّخَذُ مِنْ دُونِهِ إِلَهًا إِنْ يُرِدُنَ الرَّحْمَنُ بِضُرٍّ
क्या मैं उसे छोड़ कर दूसरे माबूद बना लूं के अगर रहमान तआला मुझे जरूर पछोथाना चाहे

لَّا تُغْنِي عَنِّي شَفَاعَتُهُمْ شَيْئًا وَلَا يُنْقِذُونِ ﴿۱۲۲﴾ إِنْ
तो उन की सिफ़ारिश मेरे कुछ भी काम नहीं आ सकती और न वो मुझे बचा सकते हैं. यकीनन तब तो मैं

إِذَا لَفِيَ ضَلِيلٍ مُّبِينٍ ﴿۱۲۳﴾ إِنْ آمَنْتُ بِرَبِّكُمْ فَاسْمِعُونِ ﴿۱۲۴﴾
भुली गुमराही में पड गया. मैं तो ईमान ले आया तुम्हारे रब पर, तो तुम मेरी बात सुनो.

قِيلَ ادْخُلِ الْجَنَّةَ ۗ قَالَ يَلِيَّت قَوْمِي يَعْلمُونَ ﴿۱۲۵﴾
कहा गया के तू जन्नत में दाखिल हो जा. उस ने कहा अे काश के मेरी कौम जान लेती.

بِمَا عَفَرَ لِي رَبِّي وَجَعَلَنِي مِنَ الْكَرِيمِينَ ﴿۱۲۶﴾ وَمَا أَنْزَلْنَا
जो मेरे रब ने मेरी मगफ़िरत की है और मुझे मुअज्जल लोगों में से बना दिया. और हम ने उस की कौम पर

عَلَى قَوْمِهِ مِنْ بَعْدِهِ مِنْ جُنْدٍ مِّنَ السَّمَاءِ وَمَا كُنَّا
उस के बाद आस्मान से लशकर नहीं उतारे और न हम उतारने

مُنزِلِينَ ﴿۱۲۷﴾ إِنْ كَانَتْ إِلَّا صَيْحَةً وَاحِدَةً فَإِذَا هُمْ
वाले हैं. वो तो सिर्फ़ अेक ही थिंघाड थी, तब ही वो भुज कर

خُمِدُونَ ﴿۱۲۸﴾ يُحْسِرَةٌ عَلَى الْعِبَادِ ۗ مَا يَأْتِيهِمْ مِّن رَّسُولٍ
रेड गअे. डाय अइसोस भन्दों पर! उन के पास कोर रसूल नहीं आता

إِلَّا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِئُونَ ﴿۱۲۹﴾ أَلَمْ يَرَوْا كَمْ أَهْلَكْنَا
मगर वो उस का मजक उडाते हैं. क्या उनहों ने देभा नहीं के उन से पेडले किन्ती

قَبْلَهُمْ مِّنَ الْقُرُونِ أَنَّهُمْ إِلَيْهِمْ لَا يَرْجِعُونَ ﴿۱۳۰﴾
कौमों को हम ने उदाक किया जो उन की तरफ़ वापस नहीं आते?

وَإِنْ كُلُّ لَبَّاءٍ جَمِيعٌ لَّدَيْنَا مُحْضَرُونَ ﴿۱۳۱﴾ وَآيَةٌ لَهُمُ الْأَرْضُ
और वो सब के सब ईकट्टे हमारे सामने जरूर डालिर किये जाअेंगे. और उन के लिये भन्जर जमीन अेक

الْمَيْتَةِ ۗ أَحْيَيْنَاهَا وَأَخْرَجْنَا مِنْهَا حَبًّا فَمِنْهُ
निशानी है. जिस को हम ने जिन्दा किया और उस से हम ने अनाज निकाला, फिर उस में से

يَأْكُلُونَ ﴿۳۳﴾ وَجَعَلْنَا فِيهَا جَنَّاتٍ مِّن تَجْوِيلٍ وَأَعْنَابٍ

वो खाते भी हैं. और हम ने उस में भजूर और अंगूर के भागात बनाये और

وَفَجَّرْنَا فِيهَا مِنَ الْعُيُونِ ﴿۳۴﴾ لِيَأْكُلُوا مِن ثَمَرِهِۦٓ

हम ने उस में यश्मे जारी कर दिये. ताके वो उस के फल में से खायें

وَمَا عَلَّمْتَهُ أَيْدِيهِمْ ۖ أَفَلَا يَشْكُرُونَ ﴿۳۵﴾ سُبْحٰنَ الَّذِي

और उन के हाथों ने ये फल नहीं बनाये. क्या फिर वो शुक अदा नहीं करते? पाक है वो अद्लाह जिस ने

خَلَقَ الْأَزْوَاجَ كُلَّهَا مِمَّا تُثْبِتُ الْأَرْضُ وَمِن أَنْفُسِهِمْ

तमाम जोड़े पैदा किये उस में से जिस को जमीन उगाती है और कुछ उन की जानों से भी और उन चीजों से

وَمِمَّا لَا يَعْلَمُونَ ﴿۳۶﴾ وَأَيَّةٌ لَّهُمُ اللَّيْلُ ۖ نَسْلَخُ مِنْهُ النَّهَارَ

भी जिन का उन्हें धलम नहीं. और उन के लिये अक निशानी रात है. के हम उस से दिन को भीय लेते हैं,

فَإِذَا هُمْ مُظْلِمُونَ ﴿۳۷﴾ وَالشَّمْسُ تَجْرِي لِمُسْتَقَرٍّ لَّهَا

तो अथानक वो तारीकी में रेड जाते हैं. और सूरज चलता रेडता है अपने मुस्तकर तक के लिये.

ذٰلِكَ تَقْدِيرُ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ ﴿۳۸﴾ وَالْقَمَرَ قَدَّرْنٰهُ مَنَازِلَ

ये जबरदस्त, धलम वाले अद्लाह की मुतअय्यन की दुध भिकदार है. और यांठ की हम ने मन्जिलें मुतअय्यन की हैं,

حَتَّىٰ عَادَ كَالْعُرْجُونِ الْقَدِيمِ ﴿۳۹﴾ لَا الشَّمْسُ يَنْبَغِي لَهَا

यहां तक के वो पुरानी शाभ की तरड डो जाता है. न सूरज के लिये मुनासिभ है

أَنْ تُدْرِكَ الْقَمَرَ وَلَا اللَّيْلُ سَابِقُ النَّهَارِ ۚ وَكُلُّ

के वो यांठ को पकड ले और न रात दिन से आगे जा सकती है. और सभ

فِي فَلَكٍ يَسْبَحُونَ ﴿۴۰﴾ وَأَيَّةٌ لَّهُمْ أَنَّا حَمَلْنَا ذُرِّيَّتَهُمْ

के सभ फलक में तैर रहे हैं. और उन के लिये अक निशानी ये है के हम ने उन की जुरीयत को लारी दुध

فِي الْفُلْكِ الْمَشْحُونِ ﴿۴۱﴾ وَخَلَقْنَا لَهُمْ مِن مِّثْلِهِ

कशती में सवार कराया. और हम ने उन के लिये कशती के मानिन्ह चीजें पैदा कीं जिन पर वो सवारी

مَا يَرْكَبُونَ ﴿۴۲﴾ وَإِنْ نَشَأْ نُغْرِقْهُمْ فَلَا صَرِيخَ لَهُمْ

करते हैं. और अगर हम याहें तो उन्हें गक कर दें, फिर न उन का कोरुं करयाहरस डो

وَلَا هُمْ يُنْقَدُونَ ﴿۴۳﴾ إِلَّا رَحْمَةً مِنَّا وَمَتَاعًا إِلَىٰ حِينٍ ﴿۴۴﴾

और न उन्हें भयाया जा सके. मगर हमारी रहमत से और अक वक्त तक झरुंदा देने के लिये (हम ने गक नहीं किया).

وَإِذَا قِيلَ لَهُمُ اتَّقُوا مَا بَيْنَ أَيْدِيكُمْ وَمَا خَلْفَكُمْ

और जब उन से कहा जाता है कि डरो उस से जो तुम्हारे आगे है और जो तुम्हारे पीछे है

لَعَلَّكُمْ تَرْحَمُونَ ﴿۵۸﴾ وَمَا تَأْتِيهِمْ مِّنْ آيَةٍ مِّنْ آيَاتِ

ताके तुम पर रहम किया जाये. और उन के पास कोई निशानी नहीं आती उन के रज के निशानियों

رَبِّهِمْ إِلَّا كَانُوا عَنْهَا مُعْرِضِينَ ﴿۵۹﴾ وَإِذَا قِيلَ لَهُمُ

में से मगर वो उस से औराज करते हैं. और जब उन से कहा जाता है कि

انْفِقُوا مِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ ۖ قَالِ الَّذِينَ كَفَرُوا لِلَّذِينَ

भर्य करो उस में से जो अदलाह ने तुम्हें रोजी के तौर पर दिया है, तो काफिर धिमान वालों से

أَمَنُوا أَنْطَعِمُ مَنْ لَوْ يَشَاءُ اللَّهُ أَطْعَمَهُ ۗ إِنَّ أَنْتُمْ

केहते हैं कि क्या हम उन को खिलायें जिन को अगर अदलाह चाहेता तो खिला देता? तुम तो

إِلَّا فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۶۰﴾ وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَذَا الْوَعْدُ

सिर्फ भुली गुमराही में हो. और वो केहते हैं कि ये वादा कब है अगर

إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۶۱﴾ مَا يَنْظُرُونَ إِلَّا صَيْحَةً وَاحِدَةً

तुम सच्ये हो? वो मुन्तज़िर नहीं हैं मगर अक चिंघास के,

تَأْخُذُهُمْ وَهُمْ يَخِصِّمُونَ ﴿۶۲﴾ فَلَا يَسْتَطِيعُونَ تَوْصِيَةً

जो उन को पकड लेगी जिस वकत वो जघड रहे होंगे. फिर वो न वसीयत कर सकेंगे

وَلَا إِلَىٰ أَهْلِهِمْ يَرْجِعُونَ ﴿۶۳﴾ وَنُفِخَ فِي الصُّورِ

और न अपने घर वालों की तरफ वापस लौट सकेंगे. और सूर फूंक जायेगा

فَإِذَا هُمْ مِنَ الْأَجْدَاثِ إِلَىٰ رَبِّهِمْ يَنْسِلُونَ ﴿۶۴﴾ قَالُوا

तब ही वो कब्रों से निकल कर अपने रज की तरफ दौड रहे होंगे. वो कहेंगे

يُؤْيَلِنَا مَنْ بَعَثَنَا مِنْ مَّرْقَدِنَا ۗ سَ ۗ هَذَا مَا وَعَدَ

हाय अइसोस हम पर! किस ने हमें हमारी सोने की जगह से उठा दिया? ये वो है जिस का रहमान तआला ने

الرَّحْمٰنُ وَصَدَقَ الْمُرْسَلُونَ ﴿۶۵﴾ إِنْ كَانَتْ

वादा किया था और रसूलों ने सच कहा था. वो तो सिर्फ

إِلَّا صَيْحَةً وَاحِدَةً فَإِذَا هُمْ جَمِيعٌ لَّدَيْنَا مُحْضَرُونَ ﴿۶۶﴾

अक जोरदार आवाज होगी, तो डैरन ही वो एकट्टे हमारे सामने सब हाजिर किये जायेंगे.

فَالْيَوْمَ لَا تَظْلَمُ نَفْسٌ شَيْئًا وَلَا تُجْزَوْنَ

فیر آج کسی شمس پر جرا بھی جزم نہیں ہوگا اور وہ بھلا نہیں मिलेगा

إِلَّا مَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿۵۷﴾ إِنَّ أَصْحَابَ الْجَنَّةِ الْيَوْمَ

مगर उन आमाद का जो वो करते थे. यकीनन जन्ती आज हिलगी की थीं

فِي شُغْلٍ فَكِهِونَ ﴿۵۵﴾ هُمْ وَأَزْوَاجُهُمْ فِي ظِلِّ

में मजे कर रहे हैं. वो और उन की भीवियां सायों में तप्तों

عَلَى الْأَرَائِكِ مُتَكِونَ ﴿۵۶﴾ لَهُمْ فِيهَا فَاكِهَةٌ وَلَهُمْ

पर टेक लगाओ हुवे हैं. उन के लिये उस में भेवे हैं और वो

مَا يَدْعُونَ ﴿۵۸﴾ سَلَمَتٌ قَوْلًا مِّن رَّبِّ رَحِيمٍ ﴿۵۹﴾ وَأَمَّا

थीं हैं जो वो मांगें. मेहरबान रब की आवाज में सलाम आओगा. (और कडा जाओगा के) ओ मुजरिमो!

الْيَوْمَ أَيُّهَا الْمَجْرُمُونَ ﴿۶۱﴾ أَلَمْ أَعْهَدْ إِلَيْكُمْ يَبْنَ

आज तुम अलग हो जाओ. क्या मैं ने तुम्हें हुकम नहीं दिया था ओ आदम

أَدَمَ أَنْ لَا تَعْبُدُوا الشَّيْطَانَ ۚ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ

की औलाद! के तुम शयतान की ध्वाहत न करो? यकीनन वो तुम्हारा भुला

مُبِينٌ ﴿۶۲﴾ وَأَنْ أَعْبُدُونِي ۚ هَذَا صِرَاطٌ مُّسْتَقِيمٌ ﴿۶۱﴾

दुशमन है. और ये के तुम मेरी ही ध्वाहत करो. यही सीधा रास्ता है.

وَلَقَدْ أَضَلَّ مِنْكُمْ جِبَلًا كَثِيرًا ۖ أَفَلَمْ تَكُونُوا

यकीनन उस ने तुम में से बडोत सी मण्डूक को गुमराड किया है. क्या फिर तुम अकल नहीं

تَعْقِلُونَ ﴿۶۳﴾ هَذِهِ جَهَنَّمُ الَّتِي كُنْتُمْ تُوعَدُونَ ﴿۶۲﴾

रभते थे? ये वो जडन्नम है जिस का तुम से वादा किया जा रहा था.

إِصْلَوْهَا الْيَوْمَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿۶۴﴾ الْيَوْمَ نَخْتِمُ

तुम उस में आज दामिल हो जाओ धस वजह से के तुम कुड़ करते थे. आज हम मुहर लगा देंगे

عَلَىٰ أَفْوَاهِهِمْ وَتُكَلِّمُنَا أَيْدِيهِمْ وَتَشْهَدُ أَرْجُلُهُمْ

उन के मुंड पर और हम से बोलेंगे उन के हाथ और गवाही देंगे उन के पैर

بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۶۵﴾ وَلَوْ نَشَاءُ لَطَمَسْنَا عَلَىٰ

उन आमाद की जो वो करते थे. और अगर हम चाहे तो उन की आंभें मिटा कर

وقف غدار ۱۱

أَعْيَنَهُمْ فَاسْتَبَقُوا الصِّرَاطَ فَأَنَّى يُبْصِرُونَ ﴿۳۶﴾

अन्धा कर दें, फिर वो रास्ते पर दौड़ें, फिर वो कहां देखा पाते हैं?

وَلَوْ نَشَاءُ لَمَسَخْنَهُمْ عَلَىٰ مَكَانَتِهِمْ فَمَا اسْتَطَاعُوا

और अगर हम चाहे तो उन की सूरतें मसख कर दें उन की जगहों पर, फिर वो न आगे चलने की ताकत

مُضِيًّا وَلَا يَرْجِعُونَ ﴿۳۷﴾ وَمَنْ تُعَدِّدْهُ نُتَكِّسْهُ

रख सकें और न पीछे लौट सकें. और जिसे हम (लम्बी) उम्र देते हैं तो उसे जिस्मानी कुव्वत में ठीका

فِي الْحَاقِّ أَفَلَا يَعْقِلُونَ ﴿۳۸﴾ وَمَا عَلَّمْنَاهُ الشِّعْرَ

कर देते हैं. क्या ये अकल नहीं रभते? और हम ने उस नबी को शेअर नहीं सिखलाया

وَمَا يَتَّبِعِي لَهُ إِنِّ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ وَقُرْآنٌ مُّبِينٌ ﴿۳۹﴾ لِيُنذِرَ

और न शेअर उन के लिये मुनासिब है. ये तो सिर्फ नसीहत है और साफ़ साफ़ बयान करने वाला कुरआन है. ताके वो

مَنْ كَانَ حَيًّا وَيَحِقُّ الْقَوْلُ عَلَى الْكٰفِرِينَ ﴿۴۰﴾

उसके उस शप्स को जो जिन्दा है और ताके काफ़िरो पर छुडकत साबित हो जाओ.

أَوَلَمْ يَرَوْا أَنَّا خَلَقْنَا لَهُمْ مِمَّا عَمِلَتْ أَيْدِينَا أَنْعَامًا

क्या उन्होंने ने देखा नहीं के हम ने उन के लिये पैदा किये चौपाओ अपने हाथों की बनाई छुई चीजों में से,

فَهُمْ لَهَاٰ مُلْكُونَ ﴿۴۱﴾ وَذَلَّلْنَاهَا لَهُمْ فَمِنْهَا رَكُوبُهُمْ

फिर वो उन के मालिक हैं. और हम ने चौपाओ उन के ताबेअ किये, फिर उन में से भाज उन की सवारियां हैं

وَمِنْهَا يَأْكُلُونَ ﴿۴۲﴾ وَلَهُمْ فِيهَا مَنَافِعُ وَمَشَارِبُ ۗ

और उन में से भाज को वो भाते हैं. और उन के लिये उन चौपाओ में और भी मनाईअ हैं और पीने की चीजें हैं.

أَفَلَا يَشْكُرُونَ ﴿۴۳﴾ وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ آلِهَةً

क्या फिर ये शुक्र अदा नहीं करते? और उन्होंने ने अल्लाह के अलावा कई माबूह बना लिये हैं

لَعَلَّهُمْ يُنصَرُونَ ﴿۴۴﴾ لَا يَسْتَطِيعُونَ نَصْرَهُمْ وَهُمْ

के शायद उन की नुस्रत की जाओ. वो उन की नुस्रत की ताकत नहीं रभते, बल्के

لَهُمْ جُنْدٌ مُّحَضَّرُونَ ﴿۴۵﴾ فَلَا يَحْزَنكَ قَوْلُهُمْ إِنَّا

उन के लिये लशकर बना कर लाजिर किये जाओगे. इस लिये उन का कोल आप को गमगीन न करे. यकीनन हम

نَعْلَمُ مَا يُسْرُونَ وَمَا يُعْلِنُونَ ﴿۴۶﴾ أَوَلَمْ يَرَ

जानते हैं उसे जिसे वो छुपाते हैं और जो जाहिर करते हैं. क्या ईन्सान ने ये देखा नहीं

الْإِنْسَانُ أَنَا خَلَقْتُهُ مِنْ نُطْفَةٍ فَإِذَا هُوَ خَصِيمٌ

के उम ने उसे अंक नुत्के से पैदा किया, तो अयानक वो भुला जघडावू

مُبِينٌ ۷۷ وَضَرَبَ لَنَا مَثَلًا وَنَسِيَ خَلْقَهُ ۗ قَالَ مَنْ يُحْيِي

भन गया. और वो उभारे लिये मिसाले भयान करता है और अपनी पैदाईश को भूल जाता है. वो केडता है के कौन र्ण उड्डियों को

الْعِظَامَ وَهِيَ رَمِيمٌ ۗ قُلْ يُحْيِيهَا الَّذِي أَنشَأَهَا

जिन्दा करेगा जब के वो रेज रेज डो युकी डोगी? आप इरमा दीजिये के उन को जिन्दा करेगा वडी अद्लाड जिस ने उन को

أَوَّلَ مَرَّةٍ ۗ وَهُوَ بِكُلِّ خَلْقٍ عَلِيمٌ ۗ ۷۸ الَّذِي جَعَلَ لَكُم

पेडली भरतभा पैदा किया है. और वो अद्लाड डर मण्डूक को भूष जानने वाला है. वो अद्लाड जिस ने तुम्हारे लिये

مِّنَ الشَّجَرِ الْأَخْضَرِ نَارًا فَإِذَا أَنْتُمْ مِنْهُ تُوقَدُونَ ۗ ۷۹

सभल डरभत से आग को बनाया, इर अब तुम उस से आग सुलगाते डो.

أَوَلَيْسَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ بِقَدِيرٍ

क्या वो अद्लाड जिस ने आस्मानों और जमीन को पैदा किया वो र्स पर कादिर नहीं के

عَلَىٰ أَنْ يَخْلُقَ مِثْلَهُمْ ۗ بَلَىٰ ۗ وَهُوَ الْخَلَّاقُ الْعَلِيمُ ۗ ۸۰ إِنَّمَا أَمْرُهُ

उन के जैसों को पैदा कर दे? कयूनडी? यकीनन वो भडोत जयादा पैदा करने वाला, र्सम वाला है. उस का तो हुकम करना डोता है

إِذَا أَرَادَ شَيْئًا أَنْ يَقُولَ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ۗ ۸۱ فَسُبْحَانَ

जब वो किसी चीज का ररादा करता है के केडता है के डो जा, तो वो डो जाती है. इर वो अद्लाड पाक है

الَّذِي بِيَدِهِ مَلَكُوتُ كُلِّ شَيْءٍ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ۗ ۸۲

जिस के कडले में डर चीज की सलनत है और उसी की तरइ तुम लौटाये जाओगे.

الْبَاءِهَا ۱۸۲ (۳۷) سُورَةُ الطَّيِّبَاتِ مَكِّيَّةٌ (۵۶) رُكُوعُهَا ۵

उस में १८२ आयतें हैं और ५ रूकूअ हैं सूरअे साइफात मक्का में नाजिल हुई

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पणडता हुं अद्लाड का नाम ले कर जो भडा मेडरभान, निडायत रडम वाला है

وَالصَّفَاتِ صَفًّا ۚ فَالرَّجَرَاتِ رَجْرًا ۚ فَالتَّلَلِيَّتِ

उन इरिशतों की कसम जो सइ बनाने वाले है इर उन इरिशतों की कसम जो भादलों को ओर से जिण्डकने वाले है इर उन

ذِكْرًا ۚ إِنَّ إِلَهُكُمْ لَوَاحِدٌ ۚ رَبُّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

इरिशतों की कसम जो जिड की तिलावत करने वाले है यकीनन तुम्हारा रभ यकता है. वो आस्मानों और जमीन का रभ है

وَمَا بَيْنَهُمَا وَرَبِّ الْمَشَارِقِ ۝ إِنَّا زَيْنَا السَّمَاءِ الدُّنْيَا

और उन चीजों का जो उन के दरमियान में है और तमाम भस्त्रिकों का रब है. यकीनन हम ने आस्माने दुन्या को जिनत के

بَزِينَةٍ الْكَوَاكِبِ ۝ وَحَفْظًا مِّنْ كُلِّ شَيْطَانٍ مَّارِدٍ ۝

लिये सितारों से मुजय्यन किया. और हर सरकश शयतान से डिफेंड के लिये.

لَا يَسْمَعُونَ إِلَى الْمَلَأِ الْأَعْلَىٰ وَ يُقَدِّفُونَ مِّنْ كُلِّ

जो मलअे आला की तरफ़ कान नहीं लगा सकते, और उन्हें हर जानिब से धुत्कार कर

جَانِبٍ ۝ دُحُورًا وَلَهُمْ عَذَابٌ وَاصِبٌ ۝ إِلَّا مَنِ

इंका जाता है. और उन के लिये दार्दभी अजाब है. मगर जो

خَطَفَ الْخَطْفَةَ فَاتَّبَعَهُ شِهَابٌ ثَاقِبٌ ۝ فَاسْتَفْتِمُ

छुप कर कुछ उयक ले, तो उस का पीछा करता है अेक यमकता अंगारा. इर आप उन से पूछिये

أَهُمْ أَشَدُّ خَلْقًا أَمْ مَنِ خَلَقْنَا ۝ إِنَّا خَلَقْنَاهُمْ مِّنْ طِينٍ

के क्या उन की तप्लीक जयादा मुशकिल है या हमारी दूसरी मज्लूकत की? भेशक हम ने उन्हें पैदा किया थिपकने वाली

لَأَرْبِ ۝ بَلْ عَجِبْتَ وَيَسْخَرُونَ ۝ وَإِذَا ذُكِرُوا

मिट्टी से बलडे आप तअह्दुब कर रहे हैं और ये मजाक उडा रहे हैं और जब भी उन्हें नसीहत की जाअे

لَا يَذْكُرُونَ ۝ وَإِذَا رَأَوْا آيَةً يَسْتَسْخَرُونَ ۝ وَقَالُوا

तो नसीहत नहीं मानते. और जब कोई मोअजिजा देभते हैं तो मजाक उडाते हैं. और केडते हैं के

إِنَّ هَذَا إِلَّا سِحْرٌ مُّبِينٌ ۝ إِذَا مِتْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَعِظَامًا

ये नहीं है मगर भुला जादू. क्या जब हम मर जाअेंगे और मिट्टी और डडियां डो जाअेंगे,

ءَأَنَا لَمَبْعُوثُونَ ۝ أَوْ آبَاؤُنَا الْأَوَّلُونَ ۝ قُلْ نَعَمْ وَأَنْتُمْ

तो क्या हम जिन्दा किये जाअेंगे? और क्या हमारे अगले भाप दादा भी? आप इरमा दीजिये के लो अं! और तुम जलील भी

دَاخِرُونَ ۝ فَإِنَّمَا هِيَ زَجْرَةٌ وَاحِدَةٌ فَإِذَا هُمْ يَنْظُرُونَ ۝

डोगे. वो तो सिर्फ़ अेक जिण्डकना डोगा तो अयानक वो देभने लगेंगे.

وَقَالُوا يُوَيْلِنَا هَذَا يَوْمَ الدِّينِ ۝ هَذَا يَوْمُ الْفَصْلِ

और कहेंगे के डाय हमारी भराभी! ये तो डिहाब का दिन आ गया. ये इंसले का वो दिन है

الَّذِي كُنْتُمْ بِهِ تُكَدِّبُونَ ۝ أَحْشَرُوا الَّذِينَ ظَلَمُوا

जिस को तुम जूठलाया करते थे. तुम जालिमों और उन के डममस्लकों को

وَ أَنْزَلْنَاهُمْ وَمَا كَانُوا يَعْبُدُونَ ﴿۱۲﴾ مِنْ دُونِ اللَّهِ

ਠਕਠਾ ਕਰੋ ਓਰ ਉਨ ਕੋ ਜਿਨ ਕੀ ਯੇ ਠਭਾਏਤ ਕਰਤੇ ਥੇ. ਅਲਲਾਹ ਕੇ ਅਲਾਵਾ.

فَأَمْدُوهُمْ إِلَىٰ صِرَاطِ الْجَحِيمِ ﴿۱۳﴾ وَقَفَّوهُمْ أَنَّهُمْ

ਫਿਰ ਤੁਮ ਉਨ ਕੋ ਰਾਸਤਾ ਢਿਞਾਓ ਆਗ ਕੇ ਰਾਸਤੇ ਕੀ ਟਰਫ਼. ਓਰ ਉਨ ਕੋ ਠੇਠਰਾਓ ਠਸ ਲਿਯੇ ਕੇ ਉਨ ਸੇ

مَسْئُولُونَ ﴿۱۴﴾ مَا لَكُمْ لَا تَنصَرُونَ ﴿۱۵﴾ بَلْ هُمْ الْيَوْمَ

ਸਵਾਲ ਕਿਆ ਜਾਓਗਾ. ਤੁਮਠੇ ਕਯਾ ਠੁਵਾ ਕੇ ਤੁਮ ਅੇਕ ਢੂਸਰੇ ਕੀ ਮਢਢ ਨਠੀ ਕਰਤੇ? ਭਲਕੇ ਵੋ ਆਯ

مُسْتَسْلِمُونَ ﴿۱۶﴾ وَأَقْبَلْ بَعْضُهُمْ عَلَىٰ بَعْضٍ يَتَسَاءَلُونَ ﴿۱۷﴾

ਤਾਭੇਢਾਰ ਭਨੇ ਠੁਵੇ ਠੇ. ਓਰ ਉਨ ਮੇਂ ਸੇ ਅੇਕ ਢੂਸਰੇ ਕੇ ਸਾਮਨੇ ਆ ਕਰ ਸਵਾਲ ਕਰੇਂਗੇ.

قَالُوا إِنَّكُمْ كُنْتُمْ تَأْتُونَنَا عَنِ الْيَمِينِ ﴿۱۸﴾ قَالُوا

ਵੋ ਕਠੇਂਗੇ ਕੇ ਤੁਮ ਥੇ ਜੋ ਠਮ ਪਰ ਭਤੇ ਡੋਰੋਂ ਸੇ ਯਠਠ ਯਠਠ ਕਰ ਆਤੇ ਥੇ. ਵੋ ਕਠੇਂਗੇ

بَلْ لَمْ تَكُونُوا مُؤْمِنِينَ ﴿۱۹﴾ وَمَا كَانَ لَنَا عَلَيْكُمْ

ਭਲਕੇ ਤੁਮ ਠੀ ਠਮਾਨ ਨਠੀ ਲਾਅੇ ਥੇ. ਓਰ ਠਮਾਰਾ ਤੁਮ ਪਰ ਕੁਝ ਡੋਰ

مِّنْ سُلْطَانٍ ۚ بَلْ كُنْتُمْ قَوْمًا طَٰغِينَ ﴿۲۰﴾ فَحَقَّ عَلَيْنَا قَوْلُ

ਨਠੀ ਥਾ. ਭਲਕੇ ਤੁਮ ਞੁਢ ਠੀ ਗੁਮਰਾਠ ਥੇ. ਫਿਰ ਠਮ ਪਰ ਠਮਾਰੇ ਰਭ ਕਾ ਕਠਾ ਸਾਭਿਤ

رَبِّنَا ۚ إِنَّآ لَذَٰبِقُونَ ﴿۲۱﴾ فَأَعْوَيْنَكُمْ إِنَّا كُنَّا غُٰوِينَ ﴿۲۲﴾

ਠੋ ਗਯਾ ਕੇ ਠਮ ਅਠਾਭ ਯਞਨੇ ਵਾਲੇ ਠੇ. ਫਿਰ ਠਮ ਨੇ ਤੁਮਠੇ ਗੁਮਰਾਠ ਕਿਆ ਠਸ ਲਿਯੇ ਕੇ ਠਮ ਞੁਢ ਗੁਮਰਾਠ ਥੇ.

فَاتَّهَمُ يَوْمَئِذٍ فِي الْعَذَابِ مُشْتَرِكُونَ ﴿۲۳﴾ إِنَّا كَذٰلِكَ

ਫਿਰ ਵੋ ਸਭ ਠਸ ਢਿਨ ਅਠਾਭ ਮੇਂ ਸ਼ਰੀਕ ਠੇਂਗੇ. ਭੇਸ਼ਕ ਠਮ ਮੁਯਰਿਮੋਂ ਕੇ

نَفَعُلُ بِالْجُرْمِينَ ﴿۲۴﴾ إِنَّمُمْ كَانُوا إِذَا قِيلَ لَهُمْ لَا إِلَهَ

ਸਾਠ ਅੈਸਾ ਠੀ ਕਰਤੇ ਠੇ. ਠਸ ਲਿਯੇ ਕੇ ਜਭ ਉਠੇ ਕਠਾ ਜਾਤਾ ਥਾ ਕੇ ਕੋਠ ਮਾਭੂਢ ਨਠੀ

إِلَّا اللَّهُ يَسْتَكْبِرُونَ ﴿۲۵﴾ وَيَقُولُونَ إِنَّا لَتَارِكُوا آلِهَتِنَا

ਸਿਵਾਅੇ ਅਲਲਾਹ ਕੇ, ਤੋ ਵੋ ਤਕਠਭੁਰ ਕਰਤੇ ਥੇ. ਓਰ ਕੇਠਤੇ ਥੇ ਕੇ ਕਯਾ ਠਮ ਅਪਨੇ ਮਾਭੂਢੋਂ ਕੋ ਠੋਠ ਢੇ

لشَاعِرٍ مَّجْنُونٍ ﴿۲۶﴾ بَلْ جَاءَ بِالْحَقِّ وَصَدَّقَ الْمُرْسَلِينَ ﴿۲۷﴾

ਅੇਕ ਮਯਨੂਨ ਸ਼ਾਠਰ ਕੀ ਵਯਠ ਸੇ? ਭਲਕੇ ਵੋ ਤੋ ਠਕ ਲੇ ਕਰ ਆਯਾ ਠੇ ਓਰ ਠਸ ਨੇ ਤਮਾਮ ਪੈਗਾਞਬਰੋਂ ਕੀ ਟਸ਼ਹੀਕ ਕੀ ਠੇ.

إِنَّكُمْ لَذَٰبِقُوا الْعَذَابِ الْآلِيمِ ﴿۲۸﴾ وَمَا تُجْرُونَ

ਯਕੀਨਨ ਤੁਮ ਢਢਨਾਕ ਅਠਾਭ ਯਞਨੇ ਵਾਲੇ ਠੋ. ਓਰ ਤੁਮਠੇ ਸਠਾ ਨਠੀ ਮਿਲੇਂਗੀ

إِلَّا مَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿۳۵﴾ إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ الْخَالِصِينَ ﴿۳۶﴾

मगर उन्ही आमाद की जो तुम करते थे. मगर अल्लाह के भादिस किये हुवे बन्दे.

أُولَئِكَ لَهُمْ رِزْقٌ مَّعْلُومٌ ﴿۳۷﴾ فَوَاكِهِ ءَ وَهُمْ مُكْرَمُونَ ﴿۳۸﴾

के ये वो हैं जिन के लिये मादूम रोजी है. मेवे डोंगे. और उन्हे औजाज दिया जायेगा.

فِي جَدَّتِ النَّعِيمِ ﴿۳۹﴾ عَلَى سُرُرٍ مُتَقَابِلِينَ ﴿۴०﴾ يُطَافُ

जन्नाते नईम में. वो तप्तों पर आमने सामने बैठे हुवे डोंगे. उन को (बारी बारी)

عَلَيْهِمْ بِكَاسٍ مِّنْ مَّعِينٍ ﴿४१﴾ بِيَضَاءٍ لَّذِيٍّ لِلشَّرِيبِينَ ﴿४२﴾

सकेद यशमये साझी से भरे जाम पेश किये जायेगे, जो पीने वालों के लिये सरापा लज्जत डोंगे.

لَا فِيهَا عَوْلٌ وَلَا هُمْ عَنْهَا يُنْزَفُونَ ﴿४३﴾ وَعِنْدَهُمْ

जिस में न सर यकराना डोगा और न उस की वजह से नशा आयेगा. और उन के पास

قَصْرٌ الطَّرْفِ عَيْنٍ ﴿४४﴾ كَأَنَّهُنَّ بَيْضٌ مَّكْنُونٌ ﴿४५﴾

नीची निगाडों वाली, बडी आंभों वाली डूरें डोंगी. गोया के छुपा कर रभे हुवे अन्डे हैं.

فَأَقْبَلَ بَعْضُهُمْ عَلَى بَعْضٍ يَتَسَاءَلُونَ ﴿४६﴾ قَالَ

डिर उन में से अक दूसरे से डुबडु डो कर सवाल करेगे. उन में से

قَائِلٌ مِّنْهُمْ إِنِّي كَانَ لِي قَرِينٌ ﴿४७﴾ يَقُولُ أَإِنَّكَ

अक केडने वाला कडेगा के मेरा अक साथी था. जो कडा करता था के क्या तू भी तस्दीक

لِإِنِّ الْبَصَدِيقِينَ ﴿४८﴾ إِذَا مِتْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَّ عِظَامًا

करने वालों में से है? के जब डम मर जायेगे और मिट्टी और डडियां डो जायेगे

ءَ إِنَّا لَمَدِينُونَ ﴿४९﴾ قَالَ هَلْ أَنْتُمْ مُطَّلِعُونَ ﴿५०﴾

क्या तब डम से डिसाभ लिया जायेगा? तो वो कडेगा के क्या तुम जांक कर डेभोगे?

فَاطَّلَعَ فَرَأَاهُ فِي سَوَاءٍ الْجَحِيمِ ﴿५१﴾ قَالَ تَاللَّهِ

डिर वो जांकेगा, तो उस साथी को जडन्नम के भीय में डेभेगा. कडेगा के अल्लाह की कसम!

إِنْ كِدَّتْ لَتُرْدِينَ ﴿५२﴾ وَلَوْلَا نِعْمَةُ رَبِّي لَكُنْتُ

यकीनन तू तो करीब था के मुजे भी डलाक कर डेता. और अगर मेरे रब की नेअमत न डोती तो मैं भी

مِنَ الْمُحْضَرِينَ ﴿५३﴾ أَفَمَا نَحْنُ بِمَبِيتِينَ ﴿५४﴾ إِلَّا مَوْتَتَنَا

पकडे जाने वालों में डोता. क्या डिर ये सय नडी के डम (जन्नतियों) को मरना नडी? मगर डमारी

الْأُولَىٰ وَمَا نَحْنُ بِمُعَدِّيْنَ ۝۵۹ إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْفَوْزُ

पेडली मौत और हमें अजाब नहीं होगा. यकीनन ये भारी

الْعَظِيمُ ۝۶۰ لِمِثْلِ هَذَا فَلْيَعْمَلِ الْعَمِلُونَ ۝۶۱ أَدْلِكَ

काम्याबी है. उसी जैसे के लिये अमल करने वालों को अमल करना चाडिये. क्या ये

خَيْرٌ نُّزُلًا أَمْ شَجَرَةُ الزَّقُّومِ ۝۶۲ إِنَّا جَعَلْنَاهَا فِتْنَةً

मेडमानी के अँतेबार से बेडतर है या जकूम का दरफ्त? यकीनन हम ने उसे जलियों के लिये

لِلظَّالِمِينَ ۝۶۳ إِنَّهَا شَجَرَةٌ تَخْرُجُ فِي أَصْلِ الْجَحِيمِ ۝۶۴

आजभार्थश का जरिया बनाया है. यकीनन वो अक दरफ्त है, जो कअरे जहनम से निकलता है.

طَلَعَهَا كَأَنَّهُ رُءُوسُ الشَّيْطَانِ ۝۶۵ فَاتَّهَمُوا

उस के भोशे अैसे हैं गोया वो शयातीन के सर हैं. फिर वो

لَا يَكُونُونَ مِنْهَا فَمَا يُتُونَ مِنْهَا الْبُطُونَ ۝۶۶ ثُمَّ إِنَّ لَهُمْ

उस से भाअँगे, फिर उसी से पेट भरेंगे. फिर उन को

عَلَيْهَا لَشَوْبًا مِّنْ حَمِيمٍ ۝۶۷ ثُمَّ إِنَّ مَرْجِعَهُمْ لَآ

उस पर गर्म पानी से पीना डोगा. फिर उन को जरूर डोजभ की तरफ

إِلَى الْجَحِيمِ ۝۶۸ إِنَّهُمْ أَلْفَوْا آبَاءَهُمْ ضَالِّينَ ۝۶۹ فَهُمْ

लौटना डोगा. उनडों ने अपने भाप दादा को गुमराड पाया. फिर वो

عَلَىٰ آثَرِهِمْ يُهْرَعُونَ ۝۷۰ وَلَقَدْ صَلَّ قَبْلَهُمْ أَكْثَرَ

उन के निशानाते कडम पर तेज डौड रहे हैं. और यकीनन उन से पेडले वालों की अकसरीयत

الْأُولَىٰ ۝۷۱ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا فِيهِمْ مُّنْذِرِينَ ۝۷۲

गुमराड थी. और हम ने उन में भी डराने वाले रसूल भेजे.

فَانظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الْمُنْذِرِينَ ۝۷۳ إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ

फिर आप डेभिये के उन डोगों का अन्जाम कैसा डुवा जिन्डे डराया गया था? मगर अल्लाड के भालिस किये

الْمُخْلِصِينَ ۝۷۴ وَلَقَدْ نَادَيْنَا نُوْحًا فَلَنِعْمَ الْجَاسِقُونَ ۝۷۵

डुवेभन्डे. और तडकीक के डमें नूड (अलैडिस्सलाम) ने पुकारा, फिर डम कितने अखडे डुआ कभूल करने वाले हैं.

وَنَجَّيْنَاهُ وَأَهْلَهُ مِنَ الْكَرْبِ الْعَظِيمِ ۝۷۶ وَجَعَلْنَا

और डम ने नूड (अलैडिस्सलाम) को और उन के भानने वालों को भारी भुसीभत से नजगत डी. और डम ने

ذُرِّيَّتَهُ هُمْ الْبَقِيَّةُ ۝ وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْآخِرِينَ ۝ سَلَامٌ

उन की पुररीयत ही को बाकी रेखने वाला बनाया. और हम ने उन का तजक़िरा पीछे आने वालों में छोड़ दिया. सलामती छो

عَلَىٰ نُوحٍ فِي الْعَالَمِينَ ۝ إِنَّا كَذَلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِينَ ۝

नुह (अलैडिस्सलाम) पर तमाम जखान वालों में. इसी तरह हम नेकी करने वालों को बढला देते हैं.

إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ ۝ ثُمَّ أَعْرَفْنَا

वो हमारे मोमिन बन्दों में से थे. फिर हम ने दूसरों को

الْآخِرِينَ ۝ وَإِنَّ مِنْ شِيعَتِهِ لِبُرْهِيمَ ۝ إِذْ جَاءَ

गर्क किया. और उन के हममस्लकों में से अलबता एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) थे. जब वो अपने रबके

رَبِّهِ بِقَلْبٍ سَلِيمٍ ۝ إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ وَ قَوْمِهِ

पास कल्बे सलीम ले कर आये. जब के उनहों ने अपने बाप और अपनी कौम से इरमाया के

مَاذَا تَعْبُدُونَ ۝ أَفِيكَمُ إِلَهَةٌ دُونَ اللَّهِ تَرِيدُونَ ۝

किन चीजों की तुम एबाहत करते हो? क्या अद्लाह के सिवा जूठे माबूहों को तुम याहते हो?

فَمَا ظَنُّكُمْ بِرَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ فَظَرَّ نَظْرَةً فِي النُّجُومِ ۝

फिर रब्बुल आलमीन के मुतअद्लिक तुम्हारा क्या गुमान है? फिर एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) ने सितारों में अकनिगाह की.

فَقَالَ إِنِّي سَقِيمٌ ۝ فَتَوَلَّوْا عَنْهُ مُدْبِرِينَ ۝ فَرَأَىٰ

और इरमाया के भैभीमार हुं सुनये वो एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) को छोड़ कर फुलत कर यलेगये फिर एब्राहीम (अलैडिस्सलाम)

إِلَىٰ آلِهِمْ فَقَالَ أَلَا تَأْكُلُونَ ۝ مَا لَكُمْ لَا تَنْطِقُونَ ۝

उन के माबूहों के पास युपके से जा पड़ये, और इरमाया क्या तुम भाते नहीं हो? तुम्हें क्या हुवा तुम भोलते नहीं हो?

فَرَأَىٰ عَلَيْهِمْ ضَرْبًا بِالْيَمِينِ ۝ فَأَقْبَلُوا إِلَيْهِ يَزْفُونَ ۝

फिर एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) कुवत से उन को मारने लगे. फिर वो एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) के सामने आये तेज दौसते हुवे.

قَالَ اتَّعْبُدُونَ مَا تَنْجِتُونَ ۝ وَاللَّهُ خَلَقَكُمْ

एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) ने पूछा क्या तुम एबाहत करते हो ऐसी चीजों की जिन को भूढ तराशते हो? डलाक अद्लाह ने तुम्हें भी

وَمَا تَعْمَلُونَ ۝ قَالُوا ابْنُوا لَهُ بُنْيَانًا فَأَلْقُوهُ فِي الْجَحِيمِ ۝

पैदा किया और उन को भी जो तुम बनाते हो. वो भोले तुम उस के लिये अक एमारत तामीर करो, फिर उस को आनिशकडे में डाल दो.

فَارَادُوا بِهِ كَيْدًا فَجَعَلْنَاهُمُ الْأَسْفَلِينَ ۝ وَقَالَ إِنِّي

फिर उनहों ने एब्राहीम (अलैडिस्सलाम) के साथ बुरे मकर का एरादा किया, तो हम ने उनही को जलील बना दिया. और एब्राहीम

ذَاهِبٌ إِلَىٰ رَبِّي سَيَهْدِينِ ﴿۹۹﴾ رَبِّ هَبْ لِي

(अलैहिससलाम) ने इरमाया मैं अपने रब की तरफ़ जा रहा हूँ अनकरीब वो मुझे रास्ता दिखाओगा. ओ मेरे रब! तू मुझे

مِنَ الصَّالِحِينَ ﴿۱۰۰﴾ فَبَشَّرْنَاهُ بِغُلَامٍ حَلِيمٍ ﴿۱۰۱﴾ فَأَمَّا بَلَّغَ مَعَهُ

सुख मेसे ओलाह अता कर. तो हम ने उन्हे बशरत दी डिहम वाले लडके की. फिर जब वो लडका ईब्राहीम (अलैहिससलाम) के साथ

السَّعَىٰ قَالَ يُبْنَىٰ إِيَّايَ أَرَىٰ فِي الْمَنَامِ إِنِّي أَدْبَحُكَ

दोऽने (की उम्र)को पडोय गया, तो ईब्राहीम (अलैहिससलाम) ने इरमाया ओ मेरे भेटे! मैं ज्वाब देभ रहा हूँके मैं तुझे जभल कर रहा

فَأَنْظُرْ مَاذَا تَرَىٰ ۖ قَالَ يَا بَتِ افْعَلْ مَا تُؤْمَرُ ۖ

हूँ, ईस लिये तू देभ ले, तेरी क्या राय है? भेटे ने कडा के ओ मेरे अब्बा! आप कर गुजरिये जिस क आप को हुकम दिया जा रहा है.

سَتَجِدُنِي إِنْ شَاءَ اللَّهُ مِنَ الصَّابِرِينَ ﴿۱۰۲﴾ فَلَمَّا أَسْلَمَا

अगर अल्लाह ने याडा तो अनकरीब आप मुझे सभ्र करने वाला पाओगे. फिर जब दोनो ने हुकम मान लिया और ईब्राहीम

وَتَلَّهُ لِلْجَبِينِ ﴿۱۰۳﴾ وَنَادَيْنَاهُ أَنْ يَا بُرْهَيْمُ ﴿۱۰۴﴾ قَدْ

(अलैहिससलाम) ने भेटेके पेशानीके बल लिटा दिया. और हम ने ईब्राहीम (अलैहिससलाम) को आवाज दीके ओ ईब्राहीम! यकीनन

صَدَّقْتَ الرَّءِيَاءَ إِنَّا كَذَلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِينَ ﴿۱۰۵﴾

आप ने ज्वाब सय कर दिभाया. ईसी तरह हम नेकी करने वालों को भदला देते हैं.

إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْبَلَاءُ الْمُبِينُ ﴿۱۰۶﴾ وَفَدَيْنَاهُ بِذَبْحٍ

अलभता ये जुला ईमिखान था. और हम ने ओक अजीम जभीडा उन्हे किहये में

عَظِيمٍ ﴿۱۰۷﴾ وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْآخِرِينَ ﴿۱۰۸﴾ سَلَّمَ

दिया. और हम ने उन क तजकिरा पीछे आने वालों में छोड दिया. सलामती डो ईब्राहीम

عَلَىٰ بُرْهَيْمٍ ﴿۱۰۹﴾ كَذَلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِينَ ﴿۱१०﴾ إِنَّهُ

(अलैहिससलाम) पर. ईसी तरह हम नेकी करने वालों को भदला देते हैं. भेशक वो

مِنَ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱११﴾ وَبَشَّرْنَاهُ بِإِسْحَاقَ نَبِيًّا

हमारे मोमिन बन्दों में से थे. और हम ने उन्हे बशरत दी ईसखक (अलैहिससलाम) की जो नभी डोंगे,

مِّنَ الصَّالِحِينَ ﴿۱१२﴾ وَ بَرَكْنَا عَلَيْهِ وَعَلَىٰ إِسْحَاقَ ۖ

सुलखा में से डोंगे. और हम ने उन पर और ईसखक (अलैहिससलाम) पर बरकते नाजिल इरमाई.

وَمِنْ ذُرِّيَّتَيْهَا مُحْسِنٌ وَظَالِمٌ لِّنَفْسِهِ مُبِينٌ ﴿۱१३﴾ وَلَقَدْ مَنَّآ

और दोनो की ओलाह में से कुछ नेक है और कुछ अपनी जान पर जुला जुल्म करने वाले है. यकीनन हम ने

عَلَىٰ مُوسَىٰ وَ هَارُونَ ۝ وَ نَجَّيْنَاهُمَا وَ قَوْمَهُمَا

موسا (अलैहिससलाम) और हारून (अलैहिससलाम) पर अहसान किया. और हम ने उन दोनों को और उन की कौम को (भारी

مِنَ الْكُرْبِ الْعَظِيمِ ۝ وَ نَصَرْنَاهُمْ فَمَا نُوا هُمُ الْغَالِبِينَ ۝

मुसीबत से नजात दी. और हम ने उन की नुस्रत की, फिर वही गालिब रहे.

وَآتَيْنَاهُمَا الْكِتَابَ الْمُسْتَبِينَ ۝ وَ هَدَيْنَاهُمَا الصِّرَاطَ

और हम ने उन दोनों को साफ़ साफ़ बयान करने वाली किताब दी. और हम ने उन दोनों को सीधे रास्ते की

الْمُسْتَقِيمِ ۝ وَ تَرَكْنَا عَلَيْهِمَا فِي الْآخِرِينَ ۝ سَلَّمَ

रहनुमाई की. और हम ने उन का तजक़िरा पीछे आने वालों में छोड़ दिया. सलामती छो

عَلَىٰ مُوسَىٰ وَ هَارُونَ ۝ إِنَّا كَذَلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِينَ ۝

मूसा और हारून (अलैहिससलाम) पर. यकीनन हम नेकी करने वालों को इसी तरह भदला देते हैं.

إِنَّهُمْ مِّنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَإِنَّ إِلْيَاسَ

वो हमारे मोमिन बन्दों में से थे. और यकीनन इत्यास (अलैहिससलाम)

لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ۝ إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ أَلَا تَتَّقُونَ ۝ أَتَدْعُونَ

पैगम्बरों में से थे. जब उन्होंने ने अपनी कौम से इरमाया क्या तुम ऽरते नहीं हो? क्या तुम पुकारते हो

بِعَلَاءٍ وَ تَذَرُونَ أَحْسَنَ الْخَالِقِينَ ۝ اللَّهُ رَبُّكُمْ وَ رَبُّ

बअल बूत को और तुम छोड़ देते हो बनाने वालों में सब से बेहतरीन बनाने वाले अल्लाह को, अपने रब को और अपने

آبَائِكُمُ الْأُولِينَ ۝ فَكَذَّبُوهُ فَأَنَّهُمْ لَمُحْضَرُونَ ۝

पेडले बाप दादाओं के रब को. फिर उन्होंने ने उन को जूठलाया, फिर वो ज़रूर पकड़े जायेंगे.

إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ الْمُخْلِصِينَ ۝ وَ تَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْآخِرِينَ ۝

मगर अल्लाह के भालिस किये हुवे बन्दे. और हम ने उन का तजक़िरा पीछे आने वालों में छोड़ दिया.

سَلَّمَ عَلَىٰ آلِ يَاسِينَ ۝ إِنَّا كَذَلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِينَ ۝

सलामती छोड़ इत्यासीन पर. इसी तरह हम नेकी करने वालों को भदला देते हैं.

إِنَّهُ مِّنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَإِنَّ لُوطًا

यकीनन वो हमारे मोमिन बन्दों में से थे. और यकीनन लूत (अलैहिससलाम) पैगम्बरों

لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ۝ إِذْ بَجَّيْنَاهُ وَ أَهْلَهُ أَجْمَعِينَ ۝ إِلَّا عَجُوزًا

में से थे. जब के हम ने उन्हें और उन के घरवालों को, सब को नजात दी. मगर बुण्डिया

أَمْ لَكُمْ سُلْطَنٌ مُّبِينٌ ﴿۱۵۱﴾ فَأَتُوا بِكِتَابِكُمْ إِن كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۱۵۲﴾

یا تمہارے پاس روشن دلیل ہے؟ تو اپنی کتاب لاؤ اگر تم سچے ہو۔

وَجَعَلُوا بَيْنَهُ وَبَيْنَ الْجَنَّةِ نِجَابًا وَقَدَّ عَلِمَتِ الْجَنَّةُ

اور یہ اعداؤ اور جینات کے درمیان نسیب بیاں کرتے ہیں۔ اداؤ کے جینات کو پککا یکن ہے

إِنَّهُمْ لَمُحْضَرُونَ ﴿۱۵۳﴾ سُبْحَانَ اللَّهِ عَمَّا يُصِفُونَ ﴿۱۵۴﴾

کے وہ اداؤ کیے جائیں گے۔ اعداؤ پاک ہے ان شیوں سے جو یہ بیاں کرتے ہیں۔

إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ الْمُخْلَصِينَ ﴿۱۵۵﴾ فَأْتِكُمْ وَمَا تُعْبُدُونَ ﴿۱۵۶﴾ مَا أَنْتُمْ

مگر اعداؤ کے اداؤ کیے ہوئے۔ کیر تم اور وہ جن کی تم عبادت کرتے ہو، اعداؤ کے اداؤ

عَلَيْهِ بِفِتْنَيْنِ ﴿۱۵۷﴾ إِلَّا مَنْ هُوَ صَالٍ الْجَحِيمِ ﴿۱۵۸﴾ وَمَا مِنَّا

گمراہ نہیں کر سکتے، مگر اسی کو جو جہنم میں رہنے والے ہیں۔ (مشرکین کے ہر اکس فرشتے تو کہتے ہیں)

إِلَّا لَهُ مَقَامٌ مَّعْلُومٌ ﴿۱۵۹﴾ وَإِنَّا لَنَحْنُ الصَّافُونَ ﴿۱۶۰﴾

اور ہم میں سے ہر ایک کا مقام معلوم ہے۔ اور ہم تو سچے بناتے ہیں۔

وَإِنَّا لَنَحْنُ الْمُسَبِّحُونَ ﴿۱۶۱﴾ وَإِن كَانُوا لَيَقُولُونَ ﴿۱۶۲﴾ لَوْ أَنَّ عِنْدَنَا

اور ہم تو تہلیل کرنے والے ہیں۔ اداؤ کے یہ مشرک کہتے تھے کہ اگر ہمارے پاس

ذِكْرًا مِّنَ الْأَوَّلِينَ ﴿۱۶۳﴾ لَكُنَّا عِبَادَ اللَّهِ الْمُخْلَصِينَ ﴿۱۶۴﴾

پہلے لوگوں کی نسیب ہوتی، تو ہر ہم اعداؤ کے اداؤ کیے ہوئے ہو جاتے۔

فَكَفَرُوا بِهِ فَسَوْفَ يَعْلَمُونَ ﴿۱۶۵﴾ وَقَدَّ سَبَقَتْ كَلِمَتُنَا

کیر انہوں نے اسی کے ساتھ کفر کیا، کیر جلد ہی انہیں پتا چل جائے گا۔ اور یکن ہم ہمارے لئے ہوئے

لِعِبَادِنَا الْمُرْسَلِينَ ﴿۱۶۶﴾ إِنَّهُمْ لَهُمُ الْمَنْصُورُونَ ﴿۱۶۷﴾

پہلوؤ کے اداؤ کے اداؤ سے اداؤ ہو گیا ہے، کیر ان کی ہر نرسر کی جائے گی۔

وَإِن جُنَدَنَا لَهُمُ الْغَالِبُونَ ﴿۱۶۸﴾ فَتَوَلَّ عَنْهُمْ حَتَّى حِينٍ ﴿۱۶۹﴾

اور ہمارا لشکر ہی گالیوں رہے گا۔ اس لیے آپ ان سے ایک وقت تک منہ نہ لہائیے۔

وَأَبْصِرْهُمْ فَسَوْفَ يُبْصَرُونَ ﴿۱۷۰﴾ أَفَبِعَدَابِنَا يُسْتَعْجَلُونَ ﴿۱۷۱﴾

اور آپ ان کو دیکھتے رہیں، کیر وہ ہی دیکھ لیں گے۔ کیا ہمارا اداؤ یہ جلدی تہلیں کر رہے ہیں؟

فَإِذَا نَزَلَ بِسَاحَتِهِمْ فَسَاءَ صَبَاحُ الْمُنْذَرِينَ ﴿۱۷۲﴾ وَتَوَلَّ

کیر جب اداؤ ان کے آنگن میں اترے گا، تو ان لوگوں کی سب سے بُری ہوگی جینے دیا گیا تھا۔ اور آپ

عَنْهُمْ حَتَّىٰ حِينٍ ﴿۱۷۸﴾ وَأَبْصَرَ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ ﴿۱۷۹﴾

उन से अेक वकत तक अैराज क्रीजिये. और आप देखते रहिये, फिर वो भी देख लेंगे.

سُبْحَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِزَّةِ عَمَّا يَصِفُونَ ﴿۱۸۰﴾ وَسَلَامٌ

आप का रब पाक है, ईज्जत वाला रब है, पाक है उन बातों से जो ये बयान कर रहे हैं. और सलामती हो

عَلَى الْمُرْسَلِينَ ﴿۱۸۱﴾ وَالْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۸۲﴾

पैगम्बरों पर. और तमाम तारीक़े अल्लाह रब्बुल आलमीन के लिये हैं.

أَيَّانَهَا ۸۸ (۳۸) سُورَةُ ص مِنْ مَكِّيَّةٍ (۳۸) رُكُوعَاتُهَا ۵

उस में ८८ आयतें हैं सूराअे साद मक्का में नाजिल हुई और ५ रुकूअ हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

ص وَالْقُرْآنِ ذِي الذِّكْرِ ﴿۱﴾ بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا

साद, नसीहत वाले कुर्आन की कसम! बल्के वो लोग जो काफ़िर हैं

فِي عِزَّةٍ وَشِقَاقٍ ﴿۲﴾ كَمْ أَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلِهِمْ مِنْ قَرْنٍ

वो जबरदस्ती और मुभालइत में हैं. उन से पेडले बडोत सी कौमों को हम ने उलाक किया,

فَنَادَوْا وَآلَاتٍ حِينٍ مَنَاصٍ ﴿۳﴾ وَعَجِبُوا أَنْ جَاءَهُمْ

फ़िर उन्हों ने पुकारा, और वो छुटकारे का वकत नहीं था. और उन को तअज्जुब हुआ इस बात से के उन के पास

مُنذِرٌ مِنْهُمْ ۚ وَقَالَ الْكٰفِرُونَ هَذَا سِحْرٌ كَذٰبٌ ﴿۴﴾

उन्ही में से अेक डराने वाला आया. और काफ़िरों ने कडा के ये जूहा जाहूगर है.

أَجَعَلَ الْآلِهَةَ إِلٰهًا وَاحِدًا ۗ إِنَّ هَذَا لَشَيْءٌ عُجَابٌ ﴿۵﴾

क्या उस ने तमाम माबूहों का अेक माबूह बना दिया? यकीनन ये बडी अज्जुब बात है.

وَأَنطَقَ الْمَلَأُ مِنْهُمْ أَنْ آمسُوا وَاصْبِرُوا عَلَىٰ آلِهَتِكُمْ ۖ

और उन के सरदार ये केडते हुवे यले गअे के तुम भी यलो और अपने माबूहों ही के साथ चिपके रहो.

إِنَّ هَذَا لَشَيْءٌ يُرَادُ ﴿۶﴾ مَا سَمِعْنَا بِهَذَا فِي الْمِلَّةِ

ये तो कोई गरज़ वाली बात है. उस को हम ने पिछले दीन में

الْأَخِرَةِ ۗ إِنَّ هَذَا إِلَّا اخْتِلَافٌ ﴿۷﴾ ءَأَنزَلَ عَلَيْهِ الذِّكْرُ

नहीं सुना. यकीनन ये तो सिई घडी हुई बात है. हमारे दरमियान में से क्या इसी पर ये कुर्आन

۱۸۱-۱۸۲

مِنْ بَيْنِنَا بَلْ هُمْ فِي شَكٍّ مِّنْ ذِكْرِي ؕ

उतारा गया? बल्के वो मेरे जिक्र की तरफ़ से शक में हैं।

بَلْ لَّيَّاكُذُوقُوا عَذَابَ ۙ أَمَّ عِنْدَهُمْ خَزَائِنُ رَحْمَةِ رَبِّكَ

बल्के अब तक उन्होंने ने मेरा अजाब यथा नहीं। या उन के पास तेरे रब की रहमत के भजाने हैं?

الْعَزِيزِ الْوَهَّابِ ۙ أَمْ لَهُمْ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

जो जबरदस्त है, बडोत देने वाला है। या उन के लिये आस्मानों और जमीन और उन के दरमियान की

وَمَا بَيْنَهُمَا فَلَيَرْتَعُونَ فِي الْأَسْبَابِ ۙ جُنْدٌ مَّا هُنَالِكَ

सलतनत हैं? तो उन्हें यादिये के रस्सियों के जरिये उपर यण्ड जाओं। ये भी अेक झैज है उन गिरोडों

مَهْرُومٌ مِّنَ الْأَحْزَابِ ۙ كَذَّبَتْ قَبْلَهُمْ قَوْمُ نُوحٍ وَعَادٌ

में से जो यहां शिकस्त भा चुके हैं। उन से पेडले कौमे नूड और कौमे आद

وَ فِرْعَوْنُ ذُو الْأَوْتَادِ ۙ وَثَمُودُ وَقَوْمُ لُوطٍ وَأَصْحَابُ

और मेंभों वाले फिरऔन ने और कौमे समूह और कौमे लूत और अयकड वालों

لَيْكَةِ ۙ أُولَٰئِكَ الْأَحْزَابُ ۙ إِنَّ كُلَّ إِلَّا كَذَّبَ

ने भी तकलीब की। यही गिरोड हैं। इन सब ही ने रसूलों को

الرُّسُلَ فَحَقَّ عِقَابٌ ۙ وَمَا يَنْظُرُ هَٰؤُلَاءِ إِلَّا صَيْحَةً

जुठलाया, फिर मेरा अजाब नाजिल हुवा। और ये मुन्तजिर नहीं हैं मगर अेक लम्बी

وَإِحْدَاةٌ مَّا لَهَا مِنْ فَوَاقٍ ۙ وَقَالُوا رَبَّنَا عَجَلْ لَنَا

आवाज के, जिस के लिये दरमियानी वकफ़ नहीं है। और उन्होंने ने कडा के अे उमारे रब! तू उमारे लिये

قَطْنَا قَبْلَ يَوْمِ الْحِسَابِ ۙ إصْبِرْ عَلَىٰ مَا يَقُولُونَ

हिसाब के दिन से पेडले उमारा हिसाब जल्दी ले ले। आप सभ्र कीजिये उन भातों पर जो ये कड रहे हैं और उमारे बन्दे दावू

وَإِذْ كُرَّ عِبْدَنَا دَاوُدَ ذَا الْأَيْدِ ۙ إِنَّهُ أَوَّابٌ ۙ إِنَّا سَخَرْنَا

(अलैहिससलाम) का तजक़िरा कीजिये जो कुव्वत वाले थे। वो अद्लाड की तरफ़ बडोत रूजूम डोने वाले थे। डम ने उन

الْجِبَالِ مَعَهُ يُسَيِّحْنَ بِالْعَشِيِّ وَالْإِشْرَاقِ ۙ وَالطَّيْرِ

के साथ पडाडों को मुसभ्रर किया था जो तस्बीड करते थे शाम और सुभड के वक़्त। और परिन्दे भी

مَحْشُورَةً ۙ كُلُّ لَهَّ أَوَّابٌ ۙ وَشَدَدْنَا مُلْكَهُ وَأَتَيْنَهُ

ईकट्टे डो कर। सब मिल कर अद्लाड के आगे रूजूम डोते थे। और डम ने उन की सलतनत को मजभूत किया था और डम ने

الْحِكْمَةَ وَفَصَلَ الْخُطَابِ ۝ وَهَلْ آتَاكَ نَبَأُ الْخَصْمِ

ਉन्हें छिकमत और ફرسلے ખیتاબ દિયા था. और क्या आप के पास मुद्दियों की ખबर पड़ोयी,

إِذْ تَسُوْرُوا الْهَجْرَابِ ۝ إِذْ دَخَلُوا عَلَى دَاوُدَ فَفَزِعَ مِنْهُمْ قَالُوا

જબ वो દીવાર ફલાંગ કર મેહરાબ મે આએ. દાવૂદ (અલૈહિસ્સલામ) પર જબ वो દાખિલ હુવે તો वो ઉન સે ઘબરાએ,

لَا تَخَفْ ۚ خَصْمِنِ بَعْضِنَا عَلَى بَعْضٍ فَاحْكُم بَيْنَنَا

ઉન્હોં ને કહા કે આપ ન ડરિયે. હમ દો મુદ્દઈ હૈં, હમ મેં સે એક ને દૂસરે પર ઝયાદતી કી હૈ, ઈસ લિયે આપ

بِالْحَقِّ وَلَا تَشْطِطْ وَاهِدِنَا إِلَى سَوَاءِ الصِّرَاطِ ۝

હમારે દરમિયાન હક કે મુતાબિક ફેસલા કીજિયે और ઝયાદતી ન કીજિયે और હમારી સીધે રાસ્તે કી તરફ રહનુમાઈ કીજિયે.

إِنَّ هَذَا أَخِي ۖ لَهُ تِسْعٌ وَتِسْعُونَ نَعْجَةً وَلِيَ نَعْجَةً وَوَاحِدَةً ۖ

યે મેરા ભાઈ હૈ. ઉસ કી નિનાન્વે ભેડોં થીં और મેરી એક ભેડ થી.

فَقَالَ أَكْفَلْنِيهَا وَعَزَّنِي فِي الْخُطَابِ ۝ قَالَ لَقَدْ ظَلَمَكَ

તો યે કેહતા હૈ કે वो એક ભી તૂ મુજે દે દે और બાત મેં મુજ પર ઝખરદસ્તી કરતા હૈ. દાવૂદ (અલૈહિસ્સલામ) ને

سُؤَالَ نَجَّتِكَ إِلَى نِعَاجِهِ ۖ وَإِنَّ كَثِيرًا مِّنَ الْخُلَطَاءِ

ફરમાયા ઉસ ને તેરી ભેડ અપની ભેડોં મેં મિલાને કે લિયે માંગ કર તુજ પર ઝુલ્મ કિયા. और અકસર શરીક

لِيَبْغِيَ بَعْضُهُمْ عَلَى بَعْضٍ إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

એક દૂસરે પર ઝયાદતી હી કરતે હૈં, મગર જો ઈમાન લાએ और નેક કામ

الصَّالِحَاتِ وَقَلِيلٌ مَّا هُمْ ۖ وَظَنَّ دَاوُدُ أَنَّمَا فَتَنَّهُ

કરતે રહે और એસે લોગ થોડે હૈં. और દાવૂદ (અલૈહિસ્સલામ) ને ગુમાન કિયા કે હમ ને ઉન કા ઈમ્તિહાન લિયા

فَاسْتَعْفَرَ رَبَّهُ وَخَرَّ رَاكِعًا وَأَنَابَ ۝ فَغَفَرْنَا لَهُ ذَلِكَ ۖ

તો ઉન્હોં ને અપને રબ સે ઈસ્તિગફર કિયા और સજદે મે ગિર પડે और તોબા કી. તો હમ ને ઉન કી યે ખતા માફ કર દી.

وَإِنَّ لَهُ عِنْدَنَا لَزُلْفَىٰ وَحُسْنَ مَّآبٍ ۝ يٰدَاوُدُ إِنَّا جَعَلْنَاكَ

और ઉન કા હમારે નઝદીક બડા મરતબા હૈ और અચ્છા ઠિકાના હૈ. એ દાવૂદ! હમ ને આપ કો જાનશીન

خَلِيفَةً فِي الْأَرْضِ فَاحْكُم بَيْنَ النَّاسِ بِالْحَقِّ وَلَا تَتَّبِعِ

બનાયા ઝમીન મે, ઈસ લિયે આપ ઈન્સાનો કે દરમિયાન ઈન્સાફ કે સાથ ફેસલા કીજિયે और ખ્વાહિશ કે પીછે

الهُوَىٰ فَيُضِلَّكَ عَن سَبِيلِ اللَّهِ ۖ إِنَّ الَّذِينَ يَضِلُّونَ

ન ચલિયે, વરના યે ખ્વાહિશ આપ કો અલ્લાહ કે રાસ્તે સે ગુમરાહ કર દેગી. યકીનન જો અલ્લાહ કે રાસ્તે સે

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ بِمَا نَسُوا يَوْمَ

ભટકતે હૈ, ઉન કે લિયે સખ્ત અઝાબ હૈ ઈસ વજહ સે કે ઉન્હોં ને હિસાબ કે દિન કો

الْحِسَابِ ۝ وَمَا خَلَقْنَا السَّمَاءَ وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا

ભુલા દિયા. ઓર હમ ને આસ્માન ઓર ઝમીન ઓર ઉન કે દરમિયાન કી થીઝે બેકાર નહીં

بِاطِلًا ۚ ذَلِكَ ظَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا ۚ قَوْلٌ لِلَّذِينَ كَفَرُوا

બનાઈ. યે તો કાફિરોં કા ગુમાન હૈ. ફિર કાફિરોં કે લિયે દોઝખ સે

مِنَ النَّارِ ۚ أَمْ نجعلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

હલાકત હૈ. કયા હમ ઉન લોગોં કો જો ઈમાન લાએ ઓર નેક અમલ કરતે રહે

كَالْمُفْسِدِينَ فِي الْأَرْضِ ۚ أَمْ نجعلُ الْمُتَّقِينَ كَالْفُجَّارِ ۝

ઝમીન મેં ફસાદ ફૈલાને વાલોં કે માનિન્દ કર દેંગે? યા હમ મુતકિયોં કો ફાજિરોં કી તરહ કર દેંગે?

كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ إِلَيْكَ مُبَارَكٌ لِيَدَّبَّرُوا آيَاتِهِ وَلِيَتَذَكَّرَ أُولُو

યે મુબારક કિતાબ હૈ જો હમ ને આપ કી તરફ ઉતારી હૈ તાકે યે ઉસ કી આયતોં મેં ગોર કરે ઓર તાકે અકલ વાલે નસીહત પકડે

الْأَلْبَابِ ۝ وَوَهَبْنَا لِذَاوُدَ سُلَيْمَانَ ۚ نِعَمَ الْعَبْدِ إِنَّهُ

ઓર હમ ને દાવૂદ (અલૈહિસ્સલામ) કો સુલૈમાન (અલૈહિસ્સલામ) અતા કિયે. કિત્ને અચ્છે બન્દે થે! યકીનન વો અલ્લાહ કી

أَوَّابٌ ۚ إِذْ عَرَضَ عَلَيْهِ بِالْعَشِيِّ الصَّفِيْنَةُ الْجِيَادُ ۝

તરફ રુજૂઅ કરને વાલે થે. જબ ઉન કે સામને શામ કે વક્ત તીન પૈરોં પર ખડે રેહને વાલે ઉમદા ઘોડે પેશ કિયે ગએ.

فَقَالَ إِنِّي أَحْبَبْتُ حُبَّ الْخَيْرِ عَنْ ذِكْرِ رَبِّي ۚ

તો સુલૈમાન (અલૈહિસ્સલામ) ને કહા કે મેં ને રબ કી યાદ છોડ કર માલ સે મહબ્બત કર લી.

حَتَّى تَوَارَتْ بِالْحِجَابِ ۚ رُدُّوهَا عَلَيَّ ۚ فَطَفِقَ مَسْحًا بِالسُّوقِ

યહાં તક કે સૂરજ પરદે મેં છુપ ગયા. વો ઘોડે મેરે સામને પેશ કરો. ફિર વો ઉન કી પિંડલિયોં ઓર ગર્દનો પર તલવાર

وَالْأَعْنَاقِ ۚ وَلَقَدْ فَتَنَّا سُلَيْمَانَ وَأَلْقَيْنَا عَلَى كُرْسِيِّهِ

ચલાને લગે. તહીકક કે હમ ને સુલૈમાન (અલૈહિસ્સલામ) કા ઈમ્તિહાન લિયા ઓર હમ ને ઉન કી કુરસી પર એક ઘડ કો ડાલ દિયા,

جَسَدًا ثُمَّ أَنَابَ ۚ قَالَ رَبِّ اغْفِرْ لِي وَهَبْ لِي مُلْكًا

ફિર વો અલ્લાહ કી તરફ મુતવક્કેહ હુવે. કેહને લગે એ મેરે રબ! તૂ મેરી મગફિરત કર દે ઓર મુજે એસી સલ્તનત અતા ફરમા

لَا يَنْبَغِي لِأَحَدٍ مِّنْ بَعْدِي ۚ إِنَّكَ أَنْتَ الْوَهَّابُ ۝

જો મેરે બાદ કિસી કે લિયે સઝાવાર ન હો. યકીનન તૂ બહોત ઝયાદા અતા કરને વાલા હૈ. ફિર હમ ને

لَهُ الرِّيحُ تَجْرِي بِأَمْرِهِ رُخَاءً حَيْثُ أَصَابَ ۝ وَالشَّيْطَانُ

وَن كے دلیے ہوا کو تابہم کیا جو चलती थी सुईमान (अलैडिस्सलाम) के हुकम से नरभी से जहां वो याहते और हर तामीर करने

كُلِّ بَنَاءٍ وَعَوَاصٍ ۝ وَآخَرِينَ مُقَرَّنِينَ فِي الْأَصْفَادِ ۝

वाले और गोता लगाने वाले शयातीन को ताबेअ किया. और दूसरे जंशरों में जकडे हुवे डोते थे.

هَذَا عَطَاؤُنَا فَامْنُنْ أَوْ أَمْسِكْ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۝

ये हमारी अता है, फिर आप अहसान कीजिये या रोके रभिये, कुछ खिसाभ न डोगा.

وَإِنَّ لَهُ عِنْدَنَا لَزُلْفَىٰ وَحُسْنَ مَآبٍ ۝ وَادُّرُّ عِبْدَنَا أَيُّوْبَ ۝

और उन का हमारे हां भडा भर्तभा और अख्श ठिकना है. और याह कीजिये हमारे भन्हे अयूब (अलैडिस्सलाम) को.

إِذْ نَادَىٰ رَبَّهُ أَنِّي مَسَّنِيَ الشَّيْطَانُ بِنُصْبٍ وَعَذَابٍ ۝

जब के उन्हों ने अपने रभ को पुकारा के मुजे शयतान ने तकलीफ और अजीयत पडोयाई है.

أَرْكُضْ بِرِجْلِكَ ۝ هَذَا مُغْتَسَلٌ بَارِدٌ وَشَرَابٌ ۝

(अल्लाह ने इरमाया) आप अपना पैर जभीन से रगडिये. ये ठन्डा पीने और नडाने का पानी है.

وَ وَهَبْنَا لَهُ أَهْلَهُ وَمِثْلَهُم مَّعَهُمْ رَحْمَةً مِنَّا وَذِكْرَىٰ

और हम ने उन को उन के घर वाले और उन के जैसे उन के साथ और भी अता किये अपनी रहमत से और अकल वालों के दिये

لِأُولِي الْأَلْبَابِ ۝ وَخُذْ بِيَدِكَ ضِغْتًا فَاضْرِبْ بِهِ

नसीहत के तौर पर. और (हम ने कडा) आप अपने हाथ में (ति-को का) अक गडर लीजिये, फिर उसे मारिये

وَلَا تَحَدِّثْ ۝ إِنَّا وَجَدْنَاهُ صَابِرًا ۝ نِعْمَ الْعَبْدُ ۝ إِنَّهُ

और कसम न तोडिये. हम ने उन को साभिर पाया. कित्ने अख्शे भन्हे थे! वो अल्लाह की तरफ

أَوَّابٌ ۝ وَادُّرُّ عِبْدَنَا إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ أُولِي

रुजूअ डोने वाले थे. और आप हमारे भन्हे इब्राहीम और इसहाक और यअकूब (अलैडिमुस्सलाम) का तजकिरा कीजिये

الْأَيْدِي وَالْأَبْصَارِ ۝ إِنَّا أَخْلَصْنَاهُمْ بِخَالِصَةٍ ذِكْرَىٰ

जो हाथों और आंभों वाले थे. यकीनन हम ने उन्हें हारे आभिरत की याह के दिये भाविस

الدَّارِ ۝ وَإِنَّهُمْ عِنْدَنَا لَمِنَ الْمُصْطَفَيْنِ الْأَخْيَارِ ۝

किया था. और वो हमारे नजदीक अलभता अख्शे मुत्तभभ किये हुवे भन्हों में से थे. और आप तजकिरा

وَادُّرُّ إِسْمَاعِيلَ وَالْيَسَعَ وَذَا الْكِفْلِ ۝ وَكُلٌّ مِنَ الْأَخْيَارِ ۝

कीजिये इस्माईल और अत्यसअ और जुलकिल् (अलैडिमुस्सलाम) का. और सब के सभ अख्शे लोगों में से थे.

هَذَا ذِكْرٌ وَإِنَّ لِلْمُتَّقِينَ لِحُسْنِ مَآبٍ ﴿۴۹﴾ جَدَّتِ

ये नसीहत है. और मुत्तकियों के लिये अच्छा अ-जाम जरूर है. जन्नाते

عَدْنٍ مُّفْتَحَةً لَهُمُ الْآبْوَابُ ﴿۵۰﴾ مُتَّكِينَ فِيهَا يَدْعُونَ

अदन है, जिन के दरवाजे उन के लिये खुले होंगे. उन में वो टेक लगाये हुवे होंगे,

فِيهَا بِفَاكِهِةٍ كَثِيرَةٍ وَشَرَابٍ ﴿۵۱﴾ وَ عِنْدَهُمْ قَصْرٌ

उन में वो मांगेंगे बहुत से मेवे और शराब. और उन के पास नीची निगाहों वाली

الظَّرْفِ أترَابٌ ﴿۵۲﴾ هَذَا مَا تُوْعَدُونَ لِيَوْمِ الْحِسَابِ ﴿۵۳﴾

उमउम हूरे होंगी. (कहा जायेगा) ये वो नेअमते हैं जिन का हिसाब के दिन के लिये तुम से वादा किया जाता था.

إِنَّ هَذَا لِرِزْقِنَا مَا لَهُ مِنْ تَفَادٍ ﴿۵۴﴾ هَذَا وَإِنَّ لِلطَّغِيْنَ

ये उमारी ऐसी रोजी है जिस के लिये भत्म होना नहीं. ये तो होगा. और सरकशों का अलभता

لَشَرِّ مَآبٍ ﴿۵۵﴾ يَصْلَوْنَهَا فَبِئْسَ الْهَادُونَ ﴿۵۶﴾ هَذَا

भुरा ठिकाना है. जहन्नम है. जिस में वो दाभिल होंगे. फिर वो भुरी आरामगाह है. ये अजाब है,

فَلِيدٌ وَقُوَّةٌ حَيِّمٌ وَعَسَاقٌ ﴿۵۷﴾ وَأَخْرُ مِنْ شَكْلَةٍ أَزْوَاجٌ ﴿۵۸﴾

फिर उन्हें यादिये के उस को यभें गर्म पानी और पीप. और उसी शकल के दूसरे अजाब भी होंगे.

هَذَا فَوْجٌ مُّقْتَحِمٌ مَّعَكُمْ لَا مَرْحَبًا بِهِمْ ۖ إِنَّهُمْ صَالُوا

(होलाभी कहेंगे) ये अक और जमाअत तुम्हारे साथ घुस रही है. उन के लिये मरडभा न हो. वो आग में दाभिल

النَّارِ ﴿۵۹﴾ قَالُوا بَلْ أَنْتُمْ لَا مَرْحَبًا بِكُمْ ۖ أَنْتُمْ قَدْ مَتَمَّوْهُ

होने वाले हैं. वो बोलेगें बल्के तुम्हारे लिये मरडभा न हो. तुम ही ने इस को उमारी लिये पेडले से तैयार किया,

لَنَا ۖ فَبِئْسَ الْقَرَارُ ﴿۶۰﴾ قَالُوا رَبَّنَا مَنْ قَدَّمَ لَنَا هَذَا

फिर ये भुरी ठेडेरने की जगा है. वो कहेंगे अहमारे रब! जिस ने भी इस को उमारे लिये पेडले से तैयार किया हो,

فَزِدْهُ عَذَابًا ضِعْفًا فِي النَّارِ ﴿۶۱﴾ وَقَالُوا مَا لَنَا لَا نَرَى

तो तू उसे होलाभ में हुगना अजाब दे. और वो कहेंगे के क्या हुवा के उम नहीं

رِجَالًا كُنَّا نَعُدُّهُمْ مِنَ الْأَشْرَارِ ﴿۶۲﴾ أَتَّخَذْتَهُمْ سَخِرِيًّا

देभते उन मरदों को जिन को उम भुरा समजते थे? क्या उन को उम ने मजाक बनाया था

أَمْ زَاغَتْ عَنْهُمْ الْأَبْصَارُ ﴿۶۳﴾ إِنَّ ذَلِكَ لَحَقٌّ تَخَاصُمُ

या उन से उमारी निगाहें यूक गई हैं? बेशक ये उक है, होलाभियों का

أَهْلِ النَّارِ ۖ قُلْ إِنَّمَا أَنَا مُنذِرٌ ۖ وَمَا مِنِّي إِلَهٍ

आपस में जघटना. आप इरमा दीजिये के मैं तो सिर्फ़ डराने वाला हूँ. और कोई माबूद नहीं

إِلَّا اللَّهُ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۗ رَبُّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

मगर अल्लाह, जो यकता है, गालिब है. आस्मानों और जमीन और उन के हरमियान की थीजों का रभ है,

وَمَا بَيْنَهُمَا الْعَزِيزُ الْغَفَّارُ ۗ قُلْ هُوَ نَبِيُّ عَظِيمٍ ۖ أَنْتُمْ عَنْهُ

जबरदस्त है, बडोत जयादा बप्शाने वाला है. आप इरमा दीजिये के ये अजीम जबर है. जिस से तुम

مُعْرِضُونَ ۖ مَا كَانَ لِي مِن عِلْمٍ بِالْمَلَأِ الْأَعْلَى

औराज कर रहे हो. मुजे मलअे आला का इल्म नहीं था

إِذْ يَخْتَصِمُونَ ۖ إِنَّ يُوحَىٰ إِلَىٰ إِيَّائِي أَنَّمَا أَنَا نَذِيرٌ

जब वो जघड रहे थे. मेरी तरफ़ तो सिर्फ़ वही किया जा रहा है के मैं साफ़ साफ़ डराने

مُبِينٌ ۖ إِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلِكَةِ إِنِّي خَالِقٌ بَشَرًا

वाला हूँ. जब आप के रभ ने इरिशतों से इरमाया के यकीनन में मिट्टी से इ-सान को पैदा करने

مِّن طِينٍ ۖ فَإِذَا سَوَّيْتُهُ وَنَفَخْتُ فِيهِ مِن رُّوحِي فَقَعُوا

वाला हूँ. फिर जब मैं उस को पूरा बना लूँ और मैं उस में अपनी रुड झूंक हूँ

لَهُ سَاجِدِينَ ۖ فَسَجَدَ الْمَلِكَةُ كُلُّهُمْ أَجْمَعُونَ ۖ

तो तुम उस के सामने सजदे में गिर जाना. फिर सब ही इरिशतों ने इकट्ठे सजदा किया.

إِلَّا إِبْلِيسَ ۖ اسْتَكْبَرَ وَكَانَ مِنَ الْكَافِرِينَ ۖ قَالَ يَا بَلِيسُ

मगर इब्लीस ने. जिस ने तकब्बुर किया और वो काफ़िरो में से हो गया. अल्लाह ने इरमाया के अे इब्लीस!

مَا مَعَكَ أَنْ تَسْجُدَ لِمَا خَلَقْتَ بِيَدَيَّ ۖ اسْتَكْبَرْتَ

तुजे किस थीज ने रोका इस से के तु सजदा करे उस को जिस को मैंने अपने हाथों से बनाया? क्या तू ने बज्र बनना याछ

أَمْ كُنْتَ مِنَ الْعَالِينَ ۖ قَالَ أَنَا خَيْرٌ مِّنْهُ خَلَقْتَنِي

या तू बुलन्द मरतबे वालों में से है? इब्लीस ने कडा के मैं इस से बेडतर हूँ. तू ने मुजे पैदा किया है

مِّن نَّارٍ وَخَلَقْتَهُ مِن طِينٍ ۖ قَالَ فَأَخْرِجْ مِنْهَا فَإِنَّكَ

आग से और तू ने इस को मिट्टी से पैदा किया है. अल्लाह ने इरमाया के तू जन्नत से निकल, यकीनन तू

رَجِيمٌ ۖ وَإِنَّ عَلَيْكَ لَعْنَتِي إِلَىٰ يَوْمِ الدِّينِ ۖ

मरदूद है. और तुज पर हिसाब के दिन तक मेरी लानत है.

قَالَ رَبِّ فَأَنْظِرْنِي إِلَى يَوْمِ يُبْعَثُونَ ﴿۵۹﴾ قَالَ فَإِنَّكَ

ઇબ્લીસ ને કહા મેરે રબ! ફિર તૂ મુજે મોહલત દે ઉસ દિન તક જિસ દિન કબ્રો સે મુર્હે ઝિન્દા કિયે જાએગે. અલ્લાહ ને

مِنَ الْمُنْظَرِينَ ﴿۶۰﴾ إِلَى يَوْمِ الْوَقْتِ الْمَعْلُومِ ﴿۶۱﴾ قَالَ

ફરમાયા કે યકીનન તૂ ઉન મેં સે હૈ જિન્હે મોહલત દી ગઈ. મુકરરરા વક્ત કે દિન તક. ઇબ્લીસ ને કહા

فِعْرَتِكَ لِأَغْوِيَهُمْ أَجْمَعِينَ ﴿۶۲﴾ إِلَّا عِبَادَكَ مِنْهُمْ

કે ફિર તેરી ઇજ્જત કી કસમ! મૈં ઝરૂર ઉન તમામ કો ગુમરાહ કરૂંગા. મગર તેરે બન્દે ઉન મેં સે જો ખાલિસ

الْمُخْلِصِينَ ﴿۶۳﴾ قَالَ فَالْحَقُّ وَالْحَقُّ أَقُولُ ﴿۶۴﴾ لَأَمَّاَنَّ

કિયે હુવે હૈં. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે યે હક હૈ. ઓર હક હી મૈં કેહતા હૂં. કે મૈં જહન્નમ

جَهَنَّمَ مِنْكَ وَمِمَّن تَبِعَكَ مِنْهُمْ أَجْمَعِينَ ﴿۶۵﴾ قُلْ

ઝરૂર ભરૂંગા તુજ સે ઓર ઉન તમામ સે જો ઉન મેં સે તેરે પીછે ચલેંગે. આપ ફરમા દીજિયે

مَا أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ مِنْ أَجْرٍ وَمَا أَنَا مِنَ الْمُتَكَلِّفِينَ ﴿۶۶﴾

મૈં તુમ સે ઇસ પર કોઈ ઉજરત નહીં માંગતા ઓર મૈં તકલ્લુફ કરને વાલોં મેં સે નહીં હૂં.

إِنَّ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ ﴿۶۷﴾ وَلَتَعْلَمَنَّ نَبَأَ بَعْدِ حِينٍ ﴿۶۸﴾

યે તો સિફ તમામ જહાનોં કે લિયે નસીહત હૈ. ઓર એક વક્ત કે બાદ તુમહે ઉસ કી ખબર ઝરૂર માલૂમ હોગી.

﴿۶۷﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ رُكُوْعَاتُهَا ۸

﴿۶۸﴾ اِيَّاهَا ۷۵ ﴿۶۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾

﴿۶۷﴾ اِيَّاهَا ۷۵ ﴿۶۸﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّમَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾

﴿۶۷﴾ اِيَّاهَا ۷۵ ﴿۶۸﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾ سُوْرَةُ الرُّمَّانِ مَكِّيَّةٌ ﴿۵۹﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ﴿۱﴾

પબ્હતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હૈ

تَنْزِيلُ الْكِتَابِ مِنَ اللَّهِ الْعَزِيزِ الْحَكِيمِ ﴿۱﴾ إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ

ઇસ કિતાબ કા ઉતારા જાના ઝબરદસ્ત, હિકમત વાલે અલ્લાહ કી તરફ સે હૈ. યકીનન હમ ને આપ કી તરફ

إِلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ فَاعْبُدِ اللَّهَ مُخْلِصًا لَهُ الدِّينَ ﴿۲﴾

યે કિતાબ હક કે સાથ ઉતારી હૈ, પસ આપ અલ્લાહ કી ઇબાદત કીજિયે, ઉસી કે લિયે ઇબાદત કો ખાલિસ કરતે હુવે.

أَلَا لِلَّهِ الدِّينُ الْخَالِصُ وَالَّذِينَ اتَّخَذُوا

સુનો! અલ્લાહ કે લિયે ખાલિસ ઇબાદત હૈ. ઓર વો જિન્હોં ને અલ્લાહ કે સિવા હિમાયતી

مِنْ دُونِهِ أَوْلِيَاءَ مَا نَعْبُدُهُمْ إِلَّا لِيُقَرِّبُونَا إِلَى اللَّهِ زُلْفَىٰ ﴿۳﴾

બના લિયે હૈ, (કહતે હૈ) હમ ઉન કી ઇબાદત નહીં કરતે મગર ઇસ લિયે તાકે વો હમે અલ્લાહ કે કુછ કરીબ કર દે

إِنَّ اللَّهَ يَحْكُمُ بَيْنَهُمْ فِي مَا هُمْ فِيهِ يَخْتَلِفُونَ ۝

यकीनन अल्लाह उन के दरमियान फैसला करेगा जिस में वो धर्मिताई कर रहे हैं।

إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي مَنْ هُوَ كَذِبٌ كَفَّارٌ ۝ لَوْ أَرَادَ

यकीनन अल्लाह उस को धिदायत नहीं देता जो झूठा है, भडोत जयादा नाशुकरी करने वाला है। अगर अल्लाह

اللَّهُ أَنْ يَتَّخِذَ وَلَدًا لَأَصْطَفِيَ مِمَّا يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ ۝

औलाद बनाना याहता तो जरूर अपनी मजलूक में से मुन्तजज करता जिसे याहता।

سُبْحٰنَهُ ۝ هُوَ اللَّهُ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۝ خَلَقَ السَّمٰوٰتِ

अल्लाह औलाद से पाक है। यकीनन वो यकता है, गालिब है। उस ने आस्मान और जमीन

وَالْأَرْضِ بِالْحَقِّ ۝ يُكْوِرُ اللَّيْلَ عَلَى النَّهَارِ وَيُكْوِرُ

डिकमत से पैदा किये। वो रात को दिन पर लपेटता है और दिन

النَّهَارَ عَلَى اللَّيْلِ وَسَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ ۝ كُلُّ

को रात पर लपेटता है और उस ने सूरज और चांद को काम में लगा रखा है। सब के सब

يَجْرِي لِإِجَالٍ مُّسَمًّى ۝ أَلَا هُوَ الْعَزِيزُ الْغَفَّارُ ۝ خَلَقَكُمْ

वक्ते मुकर्ररा तक के लिये यलते रहेंगे। सुनो! वो जबरदस्त है, भडोत जयादा भज्शने वाला है। उस ने

مِّن نَّفْسٍ وَآحَدَةٍ ثُمَّ جَعَلَ مِنْهَا زَوْجَهَا وَانزَلَ

तुम्हें अक जान से पैदा किया, फिर उसी जान से उस की भीवी को बनाया, और उस ने

لَكُمْ مِّنَ الْأَنْعَامِ ثَمَنِيَّةَ أَزْوَاجٍ ۝ يَخْلُقَكُمْ فِي بَطُونٍ

तुम्हारे लिये यौपाओं में से आठ जोड़े बनाये। वो तुम्हें पैदा करता है तुम्हारी माओं के

أُمَّهَاتِكُمْ خَلْقًا مِّنْ بَعْدِ خَلْقٍ فِي ظُلُمَاتٍ ثَلَاثٍ ۝

पेट में अक शकल के बाद दूसरी शकल में, तीन तारीकियों में।

ذَلِكُمْ اللَّهُ رَبُّكُمْ لَهُ الْمُلْكُ ۝ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ

यही अल्लाह तुम्हारा रब है, उसी के लिये सलतनत है। उस के सिवा कोई माभूद नहीं।

فَأَن تَصْرَفُونَ ۝ إِن تَكْفُرُوا فَإِنَّ اللَّهَ غَنِيٌّ عَنْكُمْ ۝

फिर तुम कहां फेरे जा रहे हो? अगर तुम कुफ्र करोगे तो यकीनन अल्लाह तुम से बेनियाज है।

وَلَا يَرْضَىٰ لِعِبَادِهِ الْكُفْرَ ۝ وَإِن تَشْكُرُوا يَرْضَهُ لَكُمْ ۝

और अल्लाह अपने भन्दों के लिये कुफ्र पसन्द नहीं करता। और अगर तुम शुक्र अदा करो तो उस को तुम्हारे लिये वो पसन्द करता है।

وَلَا تَزِرُ وَازِرَةٌ وِزْرَ أُخْرَى ۖ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّكُم

और कोई बोझ उठाने वाला दूसरे का बोझ नहीं उठायेगा. फिर अपने रब की तरफ़

مَرْجِعِكُمْ فَيُنَبِّئُكُم بِمَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ ۗ إِنَّهُ

तुम्हें लौटना है, फिर वो तुम्हें खबर देगा उन कामों की जो तुम करते थे. बेशक वो

عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ۝ وَإِذَا مَسَّ الْإِنْسَانَ ضُرٌّ

दिलों का डाल भूख जानने वाला है. और जब इन्सान को जरूर पड़ोयता है

دَعَا رَبَّهُ مُنِيبًا إِلَيْهِ ثُمَّ إِذَا خَوَّلَهُ نِعْمَةً مِّنْهُ

तो वो अपने रब को पुकारता है उसी की तरफ़ तौबा करते हुवे, फिर जब अल्लाह उसे अपनी नेअमत अता करता है

نَسِيَ مَا كَانَ يَدْعُوًّا إِلَيْهِ مِنْ قَبْلُ وَجَعَلَ لِلَّهِ

तो जिस काम के लिये पेड़ले उस को पुकारता था उसे भूल जाता है, और अल्लाह के लिये शरीक ठेकराने

أَنْدَادًا لِّيُضِلَّ عَنْ سَبِيلِهِ ۗ قُلْ تَمَتَّعْ بِكُفْرِكَ

लगता है ताके वो अल्लाह के रास्ते से गुमराह कर दे. आप इरमा दीजिये के तूमजा उडा ले अपने कुफ़ के साथ

قَلِيلًا ۗ إِنَّكَ مِنْ أَصْحَابِ النَّارِ ۝ أَمَنْ هُوَ قَائِتٌ

थोडा सा. यकीनन तू होजभियो में से है. भला वो शम्स जो इबाहत करने वाला है

إِنَاءَ اللَّيْلِ سَاجِدًا وَقَائِمًا يَحْذَرُ الْآخِرَةَ وَيَرْجُوا

रात के औकात में सजदे में और कियाम में, आभिरत से डरता है और अपने रब

رَحْمَةَ رَبِّهِ ۗ قُلْ هَلْ يَسْتَوِي الَّذِينَ يَعْلَمُونَ

कीरहमत का उम्मीदवार है? (ये शुक्रगुजर अरखण या नाशुकरा) आप इरमा दीजिये क्या वो लोग जो इलम रभते हैं और जो इलम

وَالَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۗ إِنَّمَا يَتَذَكَّرُ أُولُو الْأَلْبَابِ ۝

नहीं रभते होनों बराबर हो सकते हैं? सिर्फ़ अकल वाले ही नसीहत डसिल करते हैं.

قُلْ يِعْبَادِ الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا رَبَّكُمُ لِلَّذِينَ

आप इरमा दीजिये अे मेरे वो बन्दो जो इमान लाअे हो! तुम अपने रब से डरो. इस दुन्या

أَحْسَنُوا فِي هَذِهِ الدُّنْيَا حَسَنَةً ۗ وَأَرْضُ اللَّهِ

में जिन्हों ने नेकी की उन के लिये अरखण भदला है. और अल्लाह की जमीन

وَإِسْعَةً ۗ إِنَّمَا يُؤَقِّبُ الصَّابِرُونَ أَجْرَهُمْ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۝

वसीअ है. सभ्र करने वालों को उन का सवाब गिने बगैर पूरा पूरा (असल और कई गुना जईद) दिया जायेगा.

قُلْ إِنِّي أُمِرْتُ أَنْ أَعْبُدَ اللَّهَ مُخْلِصًا لَهُ

आप इरमा दीजिये के मुजे हुकम है के मैं अल्लाह की एबादत करूं उसी के लिये एबादत को ખालिस

الدِّينَ ۝ وَأُمِرْتُ لِأَنْ أَكُونَ أَوَّلَ الْمُسْلِمِينَ ۝

करते हुवे. और मुजे हुकम है के मानने वालों में से सभ से पेडला मानने वाला बनूं.

قُلْ إِنِّي أَخَافُ إِنْ عَصَيْتُ رَبِّي عَذَابَ يَوْمٍ

आप इरमा दीजिये अगर मैं अपने रब की नाइरमानी करूं, तो मैं डरता हूं त्तारी दिन के

عَظِيمٍ ۝ قُلِ اللَّهُ أَعْبُدُ مُخْلِصًا لَهُ دِينِي ۝

अज्जब से. आप इरमा दीजिये के मैं अल्लाह की एबादत करता हुं उसी के लिये एबादत को ખालिस रખते हुवे.

فَاعْبُدُوا مَا شِئْتُمْ مِنْ دُونِهِ ۖ قُلْ إِنَّ الْخَاسِرِينَ

अब तुम अल्लाह को छोड कर जिस की याछो एबादत करो. आप इरमा दीजिये यकीनन भसारा उठाने वाले वो हैं

الَّذِينَ خَسِرُوا أَنْفُسَهُمْ وَأَهْلِيَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ

जिन्हों ने अपनी जानों और अपने घर वालों को भसारे में डाला कयामत के दिन.

إِلَّا ذَلِكَ هُوَ الْخُسْرَانُ الْمُبِينُ ۝ لَهُمْ مِّنْ فَوْقِهِمْ

सुनो! यही ખुला भसारा है. उन के लिये उन के उपर से

طُلُوكٌ مِّنَ النَّارِ وَمِنْ تَحْتِهِمْ ظُلَلٌ ۖ ذَلِكَ يُخَوِّفُ

आग के सायभान डोंगे, और उन के नीचे से भी आग के सायभान डोंगे. उस से अल्लाह

اللَّهُ بِهِ عِبَادَتُكُمْ ۖ يَعْبَادُ فَاتَّقُوا ۝ وَالَّذِينَ

अपने भन्डों को डराते हैं. ओ मेरे भन्डो! तुम मुज से डरो. और वो लोग जो

اجْتَنَبُوا الطَّاغُوتَ أَنْ يَعْبُدُوهَا وَأَنَابُوا

शयतान से (यानी) उस की परसतिश से दूर रेडते हैं और अल्लाह की तरफ मुतवज्जेड

إِلَى اللَّهِ لَهُمُ الْبُشْرَى ۖ فَبَشِّرْ عِبَادِ ۝ الَّذِينَ

रेडते हैं उन के लिये भशारत है. तो आप भशारत सुना दीजिये, मेरे उन भन्डों को

يَسْتَمِعُونَ الْقَوْلَ فَيَتَّبِعُونَ أَحْسَنَهُ ۖ أُولَٰئِكَ

जो एस कलाम को सुनते हैं, फिर सभ से अरछे कलाम की पैरवी करते हैं. उन को

الَّذِينَ هَدَاهُمُ اللَّهُ وَأُولَٰئِكَ هُمْ أُولُوا الْأَلْبَابِ ۝

अल्लाह ने डिदायत दी है और यही अकल वाले हैं.

أَفَنَنْ حَقَّ عَلَيْهِ كَلِمَةُ الْعَذَابِ ۖ أَفَأَنْتَ تُنْقِذُ

क्या फिर वो शप्स जिस पर अजाब का कलिमा साबित हो गया, क्या फिर आप बचा सकते हैं

مَنْ فِي النَّارِ ۚ لَكِنَّ الَّذِينَ اتَّقَوْا رَبَّهُمْ لَهُمْ عُرفٌ

उसे जो आग में है? लेकिन वो जो अपने रब से डरते हैं, उन के लिये उपर वाली मन्जिलें होंगी

مَنْ فَوْقَهَا عُرفٌ مَبِينَةٌ ۚ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

जिन के उपर भी मन्जिलें बनी हुई हैं. उन के नीचे से नहरें बहती होंगी.

وَعَدَ اللَّهُ ۖ لَا يُخْلِفُ اللَّهُ الْمِيعَادَ ۚ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ

अल्लाह का वादा है. अल्लाह वादे के भिलाइ नही करेगे. क्या आप ने देखा नही के अल्लाह ने

أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَسَلَكَهُ يَنَابِيعَ فِي الْأَرْضِ

आस्मान से पानी उतारा, फिर उसे जमीन में यश्मों में चलाया,

ثُمَّ يُخْرِجُ بِهِ زَرْعًا مُخْتَلِفًا أَلْوَانُهُ ثُمَّ يَهِيجُ فَتَرَاهُ

फिर वो उस के जरिये जेरी निकालता है जिस के रंग भुजलिके होते हैं, फिर वो बिल्कुल पुरक हो जाती है, फिर तुम उसे

مُصْفَرًّا ثُمَّ يَجْعَلُهُ حُطَامًا ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَذِكْرًا

पीला देभते हो, फिर अल्लाह उसे कूड़ा करकट बना देते हैं. यकीनन उस में नसीहत है

لِأُولِي الْأَلْبَابِ ۚ أَفَمَنْ شَرَحَ اللَّهُ صَدْرَهُ لِلْإِسْلَامِ

अकल वालों के लिये. क्या फिर जिस का सीना अल्लाह ने ईस्लाम के लिये खोल दिया,

فَهُوَ عَلَى نُورٍ مِّن رَّبِّهِ ۖ فَوَيْلٌ لِّلْقَاسِيَةِ قُلُوبِهِمْ

फिर वो अपने रब की तरफ से नूर पर है. फिर उलाकत है उन के लिये जिन के

مِّن ذِكْرِ اللَّهِ ۖ أُولَٰئِكَ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۚ اللَّهُ نَزَّلَ

दिल अल्लाह की याद से सप्त हैं. ये लोग भुली गुमराही में हैं. अल्लाह ने बातों में से सभ से अखी बात

أَحْسَنَ الْحَدِيثِ كِتَابًا مُّتَشَابِهًا مَّثَانِي ۚ تَفْشَعُ مِنْهُ

(यानी) किताब को उतारा है, जिस के मजमीन अेक दूसरे के भुशाबेड हैं जो बार बार दोहराये गये हैं. जिस से अपने

جُلُودُ الَّذِينَ يَخْشَوْنَ رَبَّهُمْ ۚ ثُمَّ تَلِينُ جُلُودُهُمْ

रब से डरने वालों के शेंगटे भडे हो जाते हैं. फिर उन की भालें और उन

وَ قُلُوبُهُمْ إِلَىٰ ذِكْرِ اللَّهِ ۖ ذَلِكَ هُدَىٰ اللَّهِ يَهْدِي بِهِ

के दिल अल्लाह की याद के लिये नर्म हो जाते हैं. ये अल्लाह की हिदायत है, उस से अल्लाह हिदायत देता है

مَنْ يَشَاءُ ۖ وَمَنْ يُضِلِلِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ هَادٍ ﴿۲۲﴾

जिसे यादता है. और जिसे अल्लाह गुमराह कर दे उसे कोई छिदायत देने वाला नहीं.

أَفَمَنْ يَتَّبِعِي بِوَجْهِهِ سُوءَ الْعَذَابِ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ

क्या फिर वो शप्स जो कयामत के दिन अपने खेडरे के जरिये बढतरिन अजाब से भयेगा. (क्या गुमराह व भुत्तकी भराभर?)

وَقِيلَ لِلظَّالِمِينَ ذُوقُوا مَا كُنْتُمْ تَكْسِبُونَ ﴿۲۳﴾ كَذَّبَ

और जालिमों से कहा जायेगा के तुम यभो उन आमाल को जो तुम करते थे. उन लोगो

الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ فَأَتَهُمُ الْعَذَابُ مِنْ حَيْثُ

ने जुठलाया जो उन से पेडले थे, फिर उन के पास अजाब आया जहां से

لَا يَشْعُرُونَ ﴿۲۴﴾ فَأَذَاقَهُمُ اللَّهُ الْخُرْزَىٰ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۗ

उन को गुमान भी नहीं था. फिर अल्लाह ने उन्हें रुस्वाँ का अजाब दुन्यवी जिन्दगी में यभा दिया.

وَالْعَذَابُ الْآخِرَةُ أَكْبَرُ لَوْ كَانُوا يَعْلَمُونَ ﴿۲۵﴾ وَلَقَدْ

और अलभत्ता आभिरत का अजाब तो सब से बडा है. काश के उन्हें एल्म डोता. यकीनन

صَرَبْنَا لِلنَّاسِ فِي هَذَا الْقُرْآنِ مِنْ كُلِّ مَثَلٍ

डम ने एन्सानों के लिये एस कुर्आन में हर मिसाल भयान की,

لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ﴿۲۶﴾ قُرْآنًا عَرَبِيًّا غَيْرَ

शायद वो नसीडत डसिल करे. उस को अरभी वाला कुर्आन (भना कर उतारा), जो

ذِي عَوَجٍ لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۲۷﴾ ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا رَجُلًا

कज वाला नहीं है ताके वो डरे. अल्लाह ने मिसाल भयान की के अक आदमी है

فِيهِ شُرَكَاءُ مُتَشَكِّسُونَ وَرَجُلًا سَلَمًا لِرَجُلٍ ۖ

जिस में कई आपस में जघडने वाले शरीक हैं और अक शप्स है जो सालिम अक डी शप्स का है.

هَلْ يَسْتَوِينَ مَثَلًا ۖ الْحَمْدُ لِلَّهِ ۗ بَلْ أَكْثَرُهُمْ

क्या डोनो मिसाल के अैतेभार से भराभर डो सकते हैं? तमाम तारीके अल्लाह के लिये हैं. बल्के उन में से अकसर

لَا يَعْلَمُونَ ﴿۲۸﴾ إِنَّكَ مَيِّتٌ وَإِنَّهُمْ مَيِّتُونَ ﴿۲۹﴾

जानते नहीं. यकीनन आप को भी मरना है और उन्हें भी मरना है.

ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ عِنْدَ رَبِّكُمْ تَخْتَصِمُونَ ﴿۳۰﴾

फिर कयामत के दिन अपने रभ के सामने तुम जघडोगे.